UP PGT

Previous Year Paper

(History) 2016

(Held On Feb 2019)

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

70,000+ Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

600+ Exam Covered

Previous Year Papers

500% Refund

IBPS

NABARD

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

प्रवक्ता परीक्षा, 2016

1 फरवरी, 2019 को सम्पन्न

इतिहास (HISTORY)

1. इंग्लैंड में 'फ्री इंडिया सोसाइटी' की स्थापना किसने की?

(a) दादाभाई नौरोजी (b) लाला हरदयाल

(c) भीकाजी कामा (d) ए.ओ. ह्यूम

उत्तर—(c)

भीकाजी रुस्तम कामा क्रांतिकारी राष्ट्रवाद की समर्थक थीं। उन्होंने यूरोप एवं अमेरिका से क्रांति का संचालन किया। वर्ष 1907 में इन्होंने स्टुटगार्ट (जर्मनी) की अंतरराष्ट्रीय समाजवादी कांग्रेस में भाग लिया, जहां इन्होंने प्रथम भारतीय राष्ट्रीय झंडे को फहराया। फ्री इंडिया सोसाइटी, इंग्लैंड में भारतीय छात्रों का एक राजनीतिक संगठन था, जो ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध था। शुरुआत में यह एक बौद्धिक समूह था, जो भीकाजी कामा के नेतृत्व में एक क्रांतिकारी संगठन बन गया।

नोट- फ्री इंडिया सोसाइटी की स्थापना वर्ष 1906 में वीर दामोदर सावरकर (वी.डी.सावरकर) ने किया था, चूंकि आगे चलकर यह संगठन भीकाजी कामा के नेतृत्व में एक क्रांतिकारी संगठन बन गया। विकल्प में वी.डी. सावरकर के न होने से सही उत्तर विकल्प (c) भीकाजी कामा होगा।

2. दिल्ली का प्रथम सुल्तान जिसने दरबार में गैर-इस्लामी प्रथाओं का प्रचलन कराया, कौन था?

(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) इल्तुतमिश

(c) बलबन (d) नासिरुद्दीन महमूद

उत्तर—(c)

बलबन दिल्ली का प्रथम सुल्तान था, जिसने दरबार में गैर-इस्लामी प्रथाओं का प्रचलन किया। अपने दरबार के लिए बलबन ने एक बड़े सुल्तान के दरबार के अनुरूप नियम बनाए और उन्हें कठोरता से लागू किया। इस क्षेत्र में उसका आदर्श ईरानी बादशाह थे और उसने उनकी कई परंपराओं को अपने दरबार में आरम्भ किया। उसने सिजदा (भूमि पर लेटकर-अभिवादन करना) और पाबोस (सुल्तान के चरणों को चूमना) की रीतियां आरम्भ कीं। उसने अपने दरबार में प्रति वर्ष फारसी त्योहार 'नौरोज' बड़ी शानो-शौकत के साथ मनाने की प्रथा आरम्भ की।

3. चोल शासक प्रबल अनुयायी थे-

(a) शैव धर्म के (b) जैन धर्म के

(c) बौद्ध धर्म के (d) शाक्त धर्म के

उत्तर—(a)

चोल शासक कट्टर शैव थे। विजयालय वंश के चोल शासकों के परम शैव होने तथा इन्हें उदार संरक्षण देने के कारण ही शैव धर्म द्रविड़ देश के अधिकांश निवासियों का व्यक्तिगत धर्म बन गया।

4. पाकिस्तान का विचार किसके द्वारा प्रशस्त किया गया?

(a) मुहम्मद इकबाल द्वारा (b) जिन्ना द्वारा

(c) लियाकत अली द्वारा (d) शौकत अली द्वारा

उत्तर—(a)

प्रायः कवि और राजनैतिक चिंतक मुहम्मद इकबाल को मुसलमानों के लिए पृथक राष्ट्र के विचार का प्रवर्तक माना जाता है। 'सर्व इस्लाम' की भावना से प्रेरित होकर इकबाल ने वर्ष 1930 के अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के इलाहाबाद अधिवेशन में कहा था ''यदि यह सिद्धांत स्वीकार कर लिया जाता है कि भारतीय मुसलमानों को अपने देश में अपनी संस्कृति और परंपराओं के पूर्ण और स्वतंत्र विकास का अधिकार है, तो मेरी इच्छा यह होगी कि पंजाब, उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत, सिंध और ब्लूचिस्तान को मिलाकर एक पृथक राज्य बना दिया जाए। ब्रिटिश साम्राज्य के अंदर अथवा बाहर, एक उत्तरी-पश्चिमी 'भारतीय मुस्लिम राज्य का गठन मुझे कम-से-कम उत्तरी-पश्चिमी भारत में, मुसलमानों का अंतिम लक्ष्य प्रतीत होता है।'' यद्यपि भारतीय मुसलमानों के लिए पृथक राज्य 'पाकिस्तान' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम (1933 में) कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र रहमत अली ने अपने पत्र, जिसका शीर्षक था 'नाउ ऑर नेवर' में प्रस्तुत किया था।

5. दरबार के नवरत्नों का संबंध किससे था?

(a) चंद्रगुप्त द्वितीय (b) समुद्रगुप्त

(c) हर्षवर्द्धन (d) धर्मपाल

उत्तर—(a)

चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के दरबार में नौ विद्वानों (नवरत्न) की एक मंडली निवास करती थी, जिसे नवरत्न कहा गया। इसमें कालिदास, धन्वन्तरि, वाराहमिहिर, अमर सिंह, क्षपणक, शंकु, बेतालभट्ट, घटकर्पर, वररुचि जैसे विद्वान थे। ये नवरत्न संभवत: उज्जैन दरबार को सुशोभित करते थे, जो विक्रमादित्य की दूसरी राजधानी थी।

6. गुप्तकाल में सार्थवाह कहा जाता था-

(a) जिला प्रशासन का प्रमुख (b) व्यापारिक कारवां का प्रमुख

(c) समिति का प्रमुख (d) श्रेणी का प्रमुख

उत्तर—(b)

गुप्तकाल में व्यापारिक कारवां के प्रमुख को सार्थवाह कहा जाता था। गुप्तकालीन आंतरिक व्यापार श्रेष्ठि, सार्थवाह, कुलिक और निगम के माध्यम से संगठित होता था।

7. गुप्तकालीन ब्राह्मी अभिलेख से युक्त जैन प्रतिमाएं निम्नलिखित में कहां से प्राप्त हुई हैं?

(a) दुर्जनपुर से (b) उदयगिरि से
(c) विदिशा से (d) सांची से

उत्तर—(a)

बेसनगर (विदिशा) के पास स्थित दुर्जनपुर नामक स्थान से तीन जैन मूर्तियां प्राप्त हुई हैं, जिनकी चरण चोटियों पर गुप्तकालीन ब्राह्मी लिपि में तीन लेख उत्कीर्ण हैं। इनमें 'महाराजाधिराज रामगुप्त' नामक एक राजा का उल्लेख मिलता है।

8. चोलों के समय उर की कार्यकारिणी कहलाती थी -

(a) नगरम् (b) सभा
(c) महासभा (d) आलुंगणम्

उत्तर—(d)

चोल अभिलेखों में मोटे तौर पर तीन प्रकार की ग्राम सभाओं का उल्लेख प्राप्त होता है। वे हैं-उर, सभा या महासभा और नगरम्। 'उर' एक सामान्य प्रकार की (सर्वसाधारण लोगों की) ग्राम सभा थी। उर की कार्यकारिणी समिति को 'आलुंगणम्' कहा जाता था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 'सभा' या 'महासभा' गांवों के विद्वान ब्राह्मणों की सभा थी। यह अग्रहार ग्रामों में होती थी। ऐसे ग्रामों को 'ब्रह्मदेव' अथवा 'मंगलम' भी कहा जाता था।
- गांवों के गतिविधियों की देख-रेख महासभा की कार्यकारिणी समिति करती थी, जिसे 'वारियम' कहा जाता था।
- सामान्यत: वारियम के सदस्यों की कार्य अवधि तीन वर्ष की होती थी।
- नगरम व्यापारी समुदाय की सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रशासकीय सभा थी।

9. निम्नलिखित में कौन महावीर जैन के शिष्य के रूप में संबंधित थे?

(a) मक्खलि गोशाल (b) पूरन कस्सप
(c) पकुध काच्चायन (d) अजित केशकम्बलिन

उत्तर—(a)

मक्खलि गोशाल प्रारंभ में महावीर के शिष्य थे, किंतु बाद में मतभेद के चलते इन्होंने महावीर की शिष्यता त्याग, आजीवक नामक स्वतंत्र संप्रदाय की स्थापना की। यह संप्रदाय लगभग 1002 ई. तक बना रहा, इनका मत 'नियतिवाद' कहा जाता है, जिसके अनुसार, संसार की प्रत्येक वस्तु भाग्य द्वारा पूर्व नियंत्रित एवं संचालित होती है।

10. किस युद्ध के बाद मैसूर के टीपू सुल्तान को सहायक राज्य बनने के लिए बाध्य किया गया?

(a) प्रथम आंग्ल - मैसूर युद्ध (b) द्वितीय आंग्ल - मैसूर युद्ध
(c) तृतीय आंग्ल - मैसूर युद्ध (d) चतुर्थ आंग्ल - मैसूर युद्ध

उत्तर—(d)

चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध के बाद टीपू सुल्तान को सहायक राज्य बनने के लिए बाध्य किया गया। 1792 ई. की पराजय के उपरांत टीपू ने फ्रांस, कुस्तुनतुनिया और अफगानिस्तान के शासकों के साथ इस अभिप्राय से संधि का प्रयास किया था कि भारत से अंग्रेजों को निकाल दिया जाए। वेलेजली ने टीपू द्वारा आश्रित संधि के अस्वीकार को युद्ध का कारण बना लिया।

11. निम्नलिखित में किस उपनिषद में वर्णित कैकेय जनपद का एक राजा दार्शनिक था?

(a) जाबालि प्रवाहन (b) जमदग्नि
(c) श्रुतसेन (d) अश्वपति

उत्तर—(d)

उत्तरवैदिक काल में अनेक राजा ऐसे हुए, जो ब्रह्म ज्ञान तथा अध्यात्म चिंतन से जुड़े थे। जिनमें प्रमुख थे—विदेह के जनक, कैकेय के अश्वपति, काशी के अजातशत्रु।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- उत्तरवैदिक काल में पंचाल का प्रसिद्ध दार्शनिक शासक प्रवाहण जाबालि था। उत्तर वैदिक काल में पांचाल सर्वाधिक विकसित राज्य था। शतपथ ब्राह्मण में इन्हें वैदिक सभ्यता का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि कहा गया है।

12. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष कौन थीं?

(a) सरोजिनी नायडू (b) विजय लक्ष्मी पंडित
(c) एनी बेसेन्ट (d) इंदिरा गांधी

उत्तर—(c)

श्रीमती एनी बेसेंट आंग्ल-आयरलैंड से थीं। वे वर्ष 1907 से 1933 तक थियोसोफिकल सोसायटी की प्रधान रहीं, वर्ष 1916 में होमरूल लीग का गठन किया तथा वर्ष 1917 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष बनीं। वर्ष 1925 में कानपुर में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 40वें अधिवेशन में सरोजिनी नायडू कांग्रेस की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष बनीं।

13. निम्नलिखित बादशाहों में से किसे 'कलंदर' कहा जाता है?

(a) बाबर (b) अकबर
(c) हुमायूं (d) शाहजहां

उत्तर—(a)

पानीपत का प्रथम युद्ध 21 अप्रैल, 1526 को बाबर तथा इब्राहिम लोदी के बीच हुआ। बाबर के पास विशिष्ट सुविधाएं थीं। उसके तोपखाने ने इस युद्ध में आश्चर्यजनक कार्य किया। इब्राहिम लोदी की सेना संख्या में अधिक होते हुए भी पराजित हुई और इब्राहिम लोदी रणक्षेत्र में मारा गया। फलस्वरूप दिल्ली और आगरा पर बाबर का अधिकार हो गया। 27 अप्रैल, 1526 को बाबर ने अपने आप को बादशाह घोषित कर भारत में मुगल साम्राज्य की नींव डाली। बाबर ने तुलगमा युद्ध नीति का प्रयोग पानीपत के प्रथम युद्ध में ही किया था। इस युद्ध में बाबर की सफलता का सबसे मुख्य कारण उसका विशाल तोपखाना था, जिसका नेतृत्व उस्ताद

Adda247
GET IT ON Google Play

अली कुली नामक व्यक्ति कर रहा था। बंदूकचियों का नेतृत्व मुस्तफा कर रहा था। इस विजय के उपलक्ष्य में बाबर ने हुमायूं तथा अन्य अधिकारियों को पुरस्कार स्वरूप धनराशि एवं जागीरें प्रदान कीं। बाबर की उदारता के कारण लोगों ने उसे 'कलंदर' की उपाधि प्रदान की।

14. किस वायसराय द्वारा कांग्रेस को प्रतिबंधित कर दिया गया था?

(a) लॉर्ड हार्डिंग (b) लॉर्ड कैनिंग
(c) लॉर्ड विलिंगटन (d) लॉर्ड चेम्सफोर्ड

उत्तर—(c)

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 1 दिसंबर, 1931 को सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व पर गतिरोध के कारण समाप्त घोषित किया गया। गांधीजी के भारत आगमन से उत्पन्न स्थिति एवं नए सविनय अवज्ञा आंदोलन होने के भय से तत्कालीन वायसराय लॉर्ड विलिंगटन द्वारा कांग्रेस को अवैध संगठन घोषित कर प्रतिबंधित कर दिया गया था।

15. निम्नलिखित में किसने 1899 ई. में 'कलकत्ता कॉर्पोरेशन एक्ट' पारित किया?

(a) लॉर्ड डफरिन (b) लॉर्ड कर्जन
(c) लॉर्ड रिपन (d) लॉर्ड मिन्टो

उत्तर—(b)

लॉर्ड कर्जन ने अपने वायसराय काल (1899-1905 ई.) में भारतीय जनमानस की आकांक्षाओं की पूर्णतः अवहेलना करते हुए भारत में ब्रिटिश शासन को सुदृढ़ करने का प्रयास किया। 1899 ई. में कलकत्ता कॉर्पोरेशन एक्ट कर्जन के काल में पारित हुआ था। इस अधिनियम द्वारा निर्वाचित सदस्यों की संख्या कम कर दी गई, जिससे यूरोपीय सदस्यों को बहुमत मिला। इस प्रकार कलकत्ता निगम को एंग्लो इंडियन हाउस के रूप में जाना जाने लगा।

16. चोल गंगम तालाब का निर्माण कराया था-

(a) राजराज प्रथम (b) राजेंद्र प्रथम
(c) राजाधिराज (d) राजेंद्र द्वितीय

उत्तर—(b)

राजराज प्रथम की मृत्यु के बाद उसका योग्यतम पुत्र राजेंद्र प्रथम सम्राट बना। उसने अपने पिता की साम्राज्यवादी नीति को आगे बढ़ाया। राजेंद्र प्रथम का काल चोल शक्ति का चरमोत्कर्ष काल था। राजेंद्र प्रथम के बारे में कहा गया है कि उसने बंगाल की खाड़ी को 'चोल झील' का स्वरूप प्रदान कर दिया था। 1017 ई. में उसने संपूर्ण सिंहल द्वीप (श्रीलंका) को जीत लिया तथा वह सिंहल राजा महेंद्र पंचम को बंदी बनाकर चोल राज्य में लाया। उसने पवित्र गंगा जल लाने के उद्देश्य से उत्तर-पूर्वी भारत (गंगा घाटी) पर आक्रमण किया तथा पाल शासक महीपाल को पराजित किया। इस विजय के उपलक्ष्य में उसने गंगैकोंड की उपाधि ग्रहण की तथा गंगैकोंडचोलपुरम नामक नई राजधानी की स्थापना की। नवीन राजधानी के निकट ही उसने सिंचाई के लिए चोल गंगम नामक विशाल तालाब का निर्माण कराया।

17. 'बंगाल टेनेंसी एक्ट' किस वर्ष लागू हुआ?

(a) 1884 ई. (b) 1885 ई.
(c) 1886 ई. (d) 1887 ई.

उत्तर—(b)

बंगाल काश्तकारी अधिनियम (Bengal Tenarcy Act) 1885 ई. में लागू हुआ। वर्ष 1912 में जब बिहार बंगाल से अलग हुआ तब उसने इस एक्ट को यथावत अंगीकार कर लिया। इस एक्ट के निर्माण का उद्देश्य जमींदार-काश्तकार के भूमि संबंधित अधिकारों को प्राख्यापित करना था।

18. निम्नलिखित किस अभिलेख में 'पट्टवाय श्रेणी' का उल्लेख किया गया है?

(a) कुमारगुप्त प्रथम का मंदसौर अभिलेख
(b) स्कंदगुप्त का इंदौर ताम्रपत्र लेख
(c) स्कंदगुप्त का जूनागढ़ लेख
(d) स्कंदगुप्त का भितरी-अभिलेख

उत्तर—(a)

मंदसौर प्राचीन मालवा में स्थित था, जिसका एक नाम दशपुर भी मिलता है। यहां से प्राप्त कुमारगुप्त के लेखक में विक्रम संवत् 529 (473 ई.) की तिथि दी गई है। यह लेख प्रशस्ति के रूप में है, जिसकी रचना वत्सभट्टि ने की थी। वह संस्कृत का प्रकाण्ड विद्वान था। मंदसौर के लेख में 'पट्टवाय श्रेणी' (रेशमी सूत बुनने वालों की समिति) तथा इंदौर लेख में 'तौलिक श्रेणी' का उल्लेख मिलता है।

19. वैदिक साहित्य में सभा और समिति को किस देवता की दो पुत्रियां कहा गया है?

(a) इन्द्र (b) अग्नि
(c) प्रजापति (d) रुद्र

उत्तर—(c)

अथर्ववेद में सभा एवं समिति को प्रजापति की दो पुत्रियां कहा गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अथर्ववेद में परीक्षित को 'मृत्युलोक का देवता' बताया गया है।
- अथर्वा ऋषि के नाम पर इस वेद का नाम अथर्ववेद पड़ा।
- अथर्ववेद में मगध और अंग का उल्लेख सुदूरवर्ती प्रदेश के रूप में किया गया है।

20. किलायुक्त-नगर तुगलकाबाद का निर्माण किसके द्वारा कराया गया?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) गयासुद्दीन तुगलक
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) फिरोज शाह तुगलक

उत्तर—(b)

गयासुद्दीन तुगलक ने कुतुबमीनार के पूरब में तुगलकाबाद नामक नगर बसाया तथा उसमें दुर्ग का निर्माण करवाया और अपनी राजधानी वहां स्थानांतरित की।

Adda247 GET IT ON Google Play

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- आदिलाबाद नामक किले का निर्माण मुहम्मद बिन तुगलक ने करवाया था।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने दिल्ली में किला रायपिथौरा तथा सीरी नगर के मध्य जहांपनाह नामक नगर (चौथा नगर) बसाया।
- फुतुहाते फिरोजशाही में सुल्तान फिरोज तुगलक स्वयं उन भवनों का उल्लेख करता है, जिसकी उसने मरम्मत करवाई थी।

21. गांधीजी को 'महात्मा' की उपाधि किसने दी थी?

(a) बी.जी. तिलक ने (b) गोपाल कृष्ण गोखले ने
(c) रवीन्द्रनाथ टैगोर ने (d) मोतीलाल नेहरू ने

उत्तर–(c)

गांधीजी द्वारा चंपारन सत्याग्रह का सफल नेतृत्व करने के कारण रवीन्द्रनाथ टैगोर ने पहली बार उन्हें 'महात्मा' कहा।

22. बराबर समूह के किस गुफा पर अशोक का अभिलेख उत्कीर्ण नहीं है?

(a) कर्ण-चौपड़ गुफा (b) सुदामा गुफा
(c) लोमस ऋषि गुफा (d) विश्वझोपड़ी गुफा

उत्तर–(c)

सम्राट अशोक और उसके पौत्र दशरथ ने भिक्षुओं के रहने के लिए गुफाओं के रूप में विहार बनवाए थे। यहां प्राप्त गुफाओं में कर्ण चौपड़ गुफा, सुदामा गुफा एवं विश्व झोपड़ी अशोककालीन गुफाएं हैं, जिनमें अशोक के अभिलेख उत्कीर्ण हैं, जबकि लोमस ऋषि की गुफा दशरथ के समय निर्मित है जो काफी प्रसिद्ध है। स्थापत्य की दृष्टि से सबसे अच्छी गुफा लोमस ऋषि की गुफा है। इसमें कोई लेख नहीं खुदा है।

23. 'स्याद्वाद' किस धर्म से संबंधित है?

(a) वैष्णव धर्म (b) शैव धर्म (c) जैन धर्म (d) बौद्ध धर्म

उत्तर–(c)

स्यादवाद जैन धर्म का एक प्रसिद्ध सिद्धांत है। इसमें कुल 'सात संभावनाएं' होती हैं। यह संभावनाएं हैं–

– स्यात् अस्ति
– स्यात् नास्ति
– स्यात् अस्ति च नास्ति
– स्यात् अव्यक्तम्
– स्यात् अस्ति च अव्यक्तम्
– स्यात् नास्ति च अव्यक्तम् च
– स्यात् अस्ति च नास्ति च अव्यक्तम् च

24. निम्नलिखित मुगल शासकों में कौन 'बीणा बजाने' का शौकीन था?

(a) अकबर (b) औरंगजेब (c) जहांगीर (d) शाहजहां

उत्तर–(b)

औरंगजेब ने संगीत को इस्लाम विरोधी मानकर उस पर पाबंदी लगा दी परंतु उसी के काल में फारसी भाषा में भारतीय शास्त्रीय संगीत पर सर्वाधिक पुस्तकें लिखीं गईं। औरंगजेब संगीत विरोधी होने के बावजूद स्वयं एक कुशल वीणावादक था।

25. निम्नलिखित में से किसने 1884 में 'डेक्कन एजुकेशन सोसायटी' की स्थापना की?

(a) ज्योतिबा फुले (b) स्वामी विवेकानन्द
(c) बाल गंगाधर तिलक (d) दयानन्द सरस्वती

उत्तर–(c)

डेक्कन एजुकेशनल सोसाइटी की स्थापना 1880 ई. में मूलतः 'न्यू इंग्लिश स्कूल' के प्रारंभ के साथ पुणे में की गई थी तथा 1884 ई. में डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी औपचारिक रूप से गठित की गई। इस संस्था के संस्थापकों में वी.के. चिपलुंकर, बी.जी. तिलक एवं एम.बी. नामजोशी प्रमुख थे। जस्टिस रानाडे इस सोसाइटी के संस्थापक नहीं बल्कि इसके पांच संरक्षकों (Patrons) में से एक थे।

26. भारतीय उपमहाद्वीप में निम्नलिखित किस स्थल से सर्वप्रथम होमिनिड जीवाश्म की खोज की गई?

(a) दमदमा (b) राखीगढ़ी
(c) सराय नाहर राय (d) हथनोरा

उत्तर–(d)

नर्मदा घाटी में स्थित 'हथनोरा' से पूर्वपाषाणिक मानव के जीवाश्मों की खोज ए.के. सोनकिया द्वारा की गई थी। यहां से 'मानव की खोपड़ी' का जीवाश्म मिला, जिसे जीवाश्म का सबसे प्राचीन नमूना माना जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 1956 ई. में बी.बी. लाल ने व्यास नदी घाटी में अनेक पुरापाषाणीय बस्तियों की खोज की।
- एच.डी. सांकलिया ने महत्वपूर्ण ताम्रपाषाणिक स्थल नवदाटोली का उत्खनन कराया था।
- जी.आर. शर्मा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संबद्ध थे। इन्होंने कौशाम्बी का उत्खनन कराया था।

27. चोल प्रशासन में 'उदासीन वारियम' किस विभाग से संबंधित था?

(a) नौसेना विभाग (b) न्याय विभाग
(c) विदेशी संबंध विभाग (d) उद्यान विभाग

उत्तर–(c)

चोल प्रशासन में उदासीन वारियम का समीकरण विदेशी संबंध विभाग से था। इसका काम विदेशियों की देख-रेख करना था। हालांकि कुछ विद्वान इसे संन्यासियों की संस्था मानते हैं।

28. वर्ष 1913 में 'हिंदी एसोसिएशन ऑफ दि पैसिफिक कोस्ट ऑफ अमेरिका' का अध्यक्ष कौन बना?

(a) सोहन सिंह भखना (b) लाला हरदयाल
(c) पंडित काशीराम (d) हरनाम सिंह

उत्तर–(a)

वर्ष 1913 में सोहन सिंह भाकना (भखना) ने 'हिंदुस्तान एसोसिएशन ऑफ दि पैसिफिक कोस्ट' नामक संस्था की स्थापना की। इस संस्था ने 'गदर' नामक एक अखबार निकाला, जिससे इस संस्था का नाम भी 'गदर' पार्टी पड़ गया। गदर पार्टी पराधीन भारत को अंग्रेजों से स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से बना एक संगठन था। लाला हरदयाल इस संस्था के मनीषी पथ-प्रदर्शक थे। गदर पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष सरदार सोहन सिंह भाकना थे।
नोट- प्रश्न में 'हिंदी एसोसिएशन ऑफ दि पैसिफिक कोस्ट ऑफ अमेरिका' नाम दिया गया है, जो वर्तनी की दृष्टि से सही संस्था को नहीं बता रहा है। सही नाम 'हिंदुस्तान एसोसिएशन ऑफ दि पैसिफिक कोस्ट' है।

29. वर्ष 1901 के सिंचाई आयोग का अध्यक्ष कौन था?

(a) मार्टिन बर्ड (b) मुनरो
(c) सर सी. स्काट मोनक्रिएफ (d) लॉर्ड कर्जन

उत्तर—(c)

कर्जन ने वर्ष 1901 में 'सर कॉलिन स्कॉट मोनक्रिए' की अध्यक्षता में एक 'सिचाई आयोग' का गठन किया और आयोग के सुझाव पर सिंचाई के क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण सुधार किए।

30. वैदिककाल में 'निष्क' क्या था?

(a) सिक्का (b) संस्था (c) आभूषण (d) जाति

उत्तर—(c)

ऋग्वैदिक युग में निष्क एक आभूषण था, जो गले में पहना जाता था। इसका प्रयोग विनिमय के माध्यम के रूप में भी किया जाता था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ऋग्वैदिक काल में स्त्री-पुरुष दोनों आभूषण प्रेमी थे।
- ऋग्वैदिक काल में तीन प्रकार के वस्त्र प्रचलित थे–

(1) नीवी (अधोवस्त्र)–शरीर के निचले हिस्से में पहना जाने वाला वस्त्र।
(2) वास (उत्तरीय)–शरीर के मध्य भाग में पहना जाने वाला वस्त्र।
(3) अधिवास (द्रापि)–शरीर को ऊपर से ढकने वाला वस्त्र जैसे-शाल चादर आदि।

31. 'स्वराज मेरा अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा।' निम्नलिखित में से किसने कहा था?

(a) एनी बेसेन्ट ने (b) गोपाल कृष्ण गोखले ने
(c) लाला लाजपत राय ने (d) लोकमान्य तिलक ने

उत्तर—(d)

तिलक ने नारा दिया कि ''स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा।'' चार प्रमुख कांग्रेसी नेताओं लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, विपिन चंद्र पाल (ये तीन नेता क्रमशः लाल, बाल, पाल के रूप में प्रसिद्ध हैं) और अरविंद घोष ने कांग्रेस के भीतर उग्रवादी दल का नेतृत्व किया। वर्ष 1906 के बाद भारतीय राजनीति में कांग्रेस के भीतर उग्रवादी दल के उदय के साथ-साथ देश में क्रांतिकारी उग्रवादी दलों का आविर्भाव हुआ। इन नेताओं ने स्वराज प्राप्ति को ही अपना प्रमुख लक्ष्य एवं उद्देश्य बनाया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अरविंद घोष ने कहा कि ''राजनीतिक स्वतंत्रता एक राष्ट्र का जीवन श्वास है, बिना राजनीतिक स्वतंत्रता के सामाजिक तथा शैक्षणिक सुधार, औद्योगिक प्रसार एक जाति की नैतिक उन्नति आदि की बातें सोचना मूर्खता की चरम सीमा है।''
- विपिन चंद्र पाल ने कहा कि ''यदि सरकार मेरे पास आकर कहे कि स्वराज ले लो तो मैं उपहार के लिए धन्यवाद देते हुए कहूंगा कि मैं उस वस्तु को स्वीकार नहीं कर सकता जिसको प्राप्त करने की सामर्थ्य मुझमें नहीं है।''

32. बाबर की मृत्यु किस स्थान पर हुई थी?

(a) काबुल (b) दिल्ली (c) आगरा (d) लाहौर

उत्तर—(c)

26 दिसंबर, 1530 को बाबर की मृत्यु आगरा में हुई थी। उसके शव को पहले आगरा के आरामबाग में दफनाया गया, किंतु बाद में शेरशाह के शासनकाल में उसकी अस्थियों को उसकी विधवा पत्नी मुबारक युसुफजई काबुल ले गई, जहां उसे एक उद्यान में दफना दिया गया।

33. निम्नलिखित किस वेद में आहुति (बलिदान) संबंधी सूत्र समाहित हैं?

(a) ऋग्वेद (b) अथर्ववेद (c) सामवेद (d) यजुर्वेद

उत्तर—(d)

यजुर्वेद एक कर्मकाण्डीय वेद है। इसमें ही आहुति (बलिदान) संबंधी सूत्र समाहित हैं। इसमें विभिन्न यज्ञों से संबंधित अनुष्ठान विधियों का उल्लेख है। यह वेद गद्य एवं पद्य दोनों में रचित है। यजुर्वेद के कर्मकाण्डों को संपन्न कराने वाले पुरोहित को 'अध्वर्यु' कहा जाता था।

34. बंगाल विभाजन के बाद-पूर्वी बंगाल का प्रथम गवर्नर कौन बना?

(a) ब्लामफील्ड फुल्लर (b) चार्ल्स ग्राण्ट
(c) चार्ल्स नेपियर (d) मेटकॉफ

उत्तर—(a)

बंगाल विभाजन के बाद पूर्वी बंगाल का प्रथम गवर्नर ब्लामफील्ड फुल्लर बना था।

35. निम्नलिखित में कौन कलकत्ता विश्वविद्यालय का प्रथम भारतीय उपकुलपति था?

(a) आशुतोष मुखर्जी (b) डब्ल्यू.सी. बनर्जी
(c) सुरेंद्र नाथ बनर्जी (d) दादाभाई नौरोजी

उत्तर—(a)

कलकत्ता विश्वविद्यालय की स्थापना 1857 ई. में हुई थी। कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रथम भारतीय उपकुलपति गुरुदास बनर्जी (1 जनवरी, 1890-31 दिसंबर, 1892) थे। यद्यपि वो विकल्प में नहीं है। अतः विकल्प (a) आशुतोष मुखर्जी (31 मार्च, 1906-30 मार्च 1914 एवं 4 अप्रैल, 1921-3 अप्रैल, 1923) कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रथम भारतीय उपकुलपति थे सही होगा।

36. **शिवाजी का राज्याभिषेक कहां और कब हुआ था?**
(a) कोंकण में, 1653 में (b) मुंबई में, 1665 में
(c) पुणे में, 1660 में (d) रायगढ़ में, 1674 में

उत्तर—(d)

14 जून, 1674 को शिवाजी ने काशी के प्रसिद्ध विद्वान गंगाभट्ट से अपना राज्याभिषेक रायगढ़ में करवाया तथा 'छत्रपति' की उपाधि धारण की।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- शिवाजी का अंतिम महत्वपूर्ण अभियान 1677 ई. में कर्नाटक अभियान था।
- 1627 ई. पूना के निकट शिवनेर के दुर्ग में शिवाजी का जन्म हुआ।
- सर्वप्रथम शिवाजी ने 1643 ई. में बीजापुर के सिंहगढ़ के किले पर अधिकार किया।

37. **किस उपनिषद् में चारों आश्रमों का सर्वप्रथम उल्लेख आया है?**
(a) मंडूक उपनिषद् (b) वृहदारण्यक उपनिषद्
(c) जावल उपनिषद् (d) छान्दोग्य उपनिषद्

उत्तर—(c)

जाबालोपनिषद (जावल उपनिषद्) में सर्वप्रथम चारों आश्रमों का एक साथ उल्लेख मिलता है, जबकि छांदोग्य उपनिषद में केवल तीन आश्रमों का। ये चार आश्रम हैं—ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास।

38. **अशोक के निम्नलिखित किस अभिलेख में दक्षिण भारत के पांच राज्यों का उल्लेख मिलता है?**
(a) शिलालेख II (b) शिलालेख VI
(c) शिलालेख XIII (d) शिलालेख VII

उत्तर—(*)

अशोक के शिलालेख II में दक्षिण भारत के पांच राज्यों चोल, पाण्ड्य सत्तियपुत्त, केरलपुत्त और ताम्रपर्णि (श्रीलंका) का उल्लेख मिलता है। ये सभी तमिल राज्य थे और उसके साम्राज्य से बाहर थे। अशोक के 13वें शिलालेख में कलिंग युद्ध का वर्णन और सीमावर्ती राज्यों की सूची एवं पांच सीमान्त यूनानी शासकों के नामों का उल्लेख है।

39. **प्रथम अखिल भारतीय महिला सम्मेलन किस वर्ष हुआ था?**
(a) 1927 में (b) 1928 में
(c) 1929 में (d) 1933 में

उत्तर—(a)

प्रथम अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की बैठक वर्ष 1927 में पूना में महारानी चिमना साहब गायकवाड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मार्गरेट बहनें सम्मेलन में सचिव नियुक्त हुईं। महिला शिक्षा को प्राथमिकता इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य था।

40. **निम्नलिखित में कौन स्वतंत्र अवध प्रांत का संस्थापक था?**
(a) मुर्शीद कुली खान (b) सआदत अली खान
(c) फर्रुखसियार (d) शुजा-उद्-दीन

उत्तर—(b)

बादशाह मुहम्मद शाह ने सआदत खान बुराहन-उल-मुल्क को अवध का सूबेदार नियुक्त किया। इसने अवध में स्वायत्त राज्य की स्थापना की तथा फैजाबाद को अपनी राजधानी बनाया। उसने कई कर एवं सैनिक सुधार लागू किए, जिसके कारण अवध आर्थिक एवं राजनैतिक रूप से शक्तिशाली हो गया।

41. **प्रसिद्ध चित्रकार मंसूर किस शासक का दरबारी था?**
(a) अकबर (b) हूमायूं
(c) जहांगीर (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(c)

जहांगीर का काल मुगल चित्रकला का स्वर्णयुग कहा जाता है। इसके काल में प्रकृति चित्रण मुगल चित्रकला की प्रमुख विशेषता बन गई। उस्ताद मंसूर को प्रकृति चित्रण में महारत हासिल थी। पुष्पों, पशुओं और पक्षियों की चित्रकारी में मंसूर श्रेष्ठ था। उसके चित्रों में 'लाल फूलों की बहार' का चित्र सर्वोत्तम माना जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- जहांगीर ने मंसूर को 'नादिर-अल-अस्त्र' की उपाधि दी थी।
- अबुल हसन ने सम्राट के सिंहासनारोहण का चित्रण किया था जो तुजुक-ए-जहांगीरी के मुख्य पृष्ठ पर लगा था।
- जहांगीर ने अबुल हसन को 'नादिर-उज़-जमा' की उपाधि दी थी।

42. **मनसबदारी व्यवस्था में 'मनसब' का निम्नलिखित में क्या तात्पर्य है?**
(a) कर (b) कृषि भूमि (c) पुरोहित (d) एक पद

उत्तर—(d)

मुगल काल में प्रचलित शब्द 'मनसब' एक प्रकार का ओहदा था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- तकावी, सरकार द्वारा किसान को दी गई पेशगी रकम थी।
- खूत, गांव का राजस्व वसूल करने वाला अधिकारी था।
- जरीबाना, जरीब से भूमि मापने वाले कर्मचारी का शुल्क था।

43. **निम्नलिखित में कौन एक ग्रंथ वैदिक कालीन रत्नियों की सूची का उल्लेख करता है?**
(a) शतपथ ब्राह्मण (b) ऐतरेय ब्राह्मण
(c) अथर्ववेद (d) जाबालोपनिषद्

उत्तर—(a)

शतपथ ब्राह्मण में सर्वाधिक 12 रत्नियों का उल्लेख हैं। ऐतरेय ब्राह्मण में सर्वप्रथम राजा की उत्पत्ति का सिद्धांत मिलता है। अधिकारों में वृद्धि के फलस्वरूप अलग-अलग दिशाओं में राजा के नाम अलग-अलग होने लगे। मध्य देश में वह राजा, पूर्व में सम्राट, पश्चिम में स्वराट्, उत्तर में विराट तथा दक्षिण में भोज कहा जाने लगा। वह राजा जो चारों दिशाओं को विजित कर लेता था उसे एकराट कहा जाता था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- राजसूय यज्ञ का विस्तृत वर्णन शतपथ ब्राह्मण में मिलता है।
- कैकेय के अश्वपति, काशी के अजातशत्रु, विदेह के जनक, कुरु (राजधानी-आसंदीवत) के उद्दालक आरुणि तथा पंचाल के प्रवाहण जाबालि प्रमुख राजा थे।

Adda247 GET IT ON Google Play

44. 'शारदा बिल' निम्नलिखित में किससे संबंधित है?

(a) विवाह की आयु (b) विधवा विवाह
(c) सती (d) नवजात शिशु हत्या

उत्तर—(a)

वर्ष 1929 में अजमेर निवासी एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. हरविलास शारदा के प्रयत्नों से एक बाल विवाह निषेध कानून बन पाया। उन्हीं के नाम पर ही इसे शारदा अधिनियम (शारदा एक्ट) कहा गया। इस अधिनियम के द्वारा लड़कियों के विवाह की न्यूनतम सीमा 14 वर्ष एवं लड़कों की 18 वर्ष निर्धारित की गई।

45. निम्नलिखित राजदूतों में से किसने 'भागवत' उपाधि धारण की थी?

(a) डायोनिसियस (b) हेलियोडोरस
(c) मेगस्थनीज (d) प्लिनी

उत्तर—(b)

भागवत धर्म से संबद्ध प्रथम उपलब्ध प्रस्तर स्मारक बिदिशा (बेसनगर) का गरुड़ स्तंभ है। इससे पता चलता है कि तक्षशिला के यवन राजदूत हेलियोडोरस ने भागवत धर्म ग्रहण किया तथा इस स्तंभ की स्थापना करवाकर उसकी पूजा की थी। इस पर उत्कीर्ण लेख में हेलियोडोरस को 'भागवत' तथा वासुदेव को 'देवदेवस' अर्थात देवताओं का देवता कहा गया है।

46. बागोर प्रथम काल का संबंध निम्नलिखित किस संस्कृति से है?

(a) उच्च पुरापाषाण (b) मध्य पाषाण
(c) ताम्र पाषाण (d) लौह काल

उत्तर—(b)

बागोर (भीलवाड़ा, राजस्थान) मध्य पाषाण काल संस्कृति से संबंधित है। यहां से पशुपालन के साक्ष्य मिले हैं।

47. आगरा के किले की मोती मस्जिद का निर्माण निम्नलिखित में किसने कराया था?

(a) अकबर (b) जहांगीर
(c) शाहजहां (d) औरंगजेब

उत्तर—(c)

(स्मारक)		(निर्माता)
अलाई दरवाजा, दिल्ली	–	अलाउद्दीन खिलजी
बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी	–	अकबर
मोती मस्जिद, आगरा	–	शाहजहां
एत्माद्दौला का मकबरा, आगरा	–	नूरजहां

48. इब्नबतूता के अनुसार दीनार नामक स्वर्ण मुद्राओं का प्रचलन किसने कराया था?

(a) गयासुद्दीन बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) गयासुद्दीन तुगलक (d) मुहम्मद बिन तुगलक

उत्तर—(d)

मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा जारी स्वर्ण सिक्कों को इब्नबतूता द्वारा 'दीनार' की संज्ञा दी गई थी। मुहम्मद बिन तुगलक ने चांदी के सिक्के के स्थान पर तांबे (कांसे) का सिक्का प्रतीक मुद्रा के रूप में प्रचलित किया। प्रतीक मुद्रा पर अरबी तथा फारसी दोनों भाषाओं में लेख थे।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- चीन में कुबलाई खां के समय में सांकेतिक मुद्रा का प्रयोग सफलतापूर्वक किया गया था।
- ईरान में भी सांकेतिक मुद्रा चलाई गई थी, यद्यपि वहां यह प्रयोग असफल हुआ था।

49. निम्नलिखित किस नदी के तट पर महावीर स्वामी को कैवल्य प्राप्त हुआ था?

(a) ऋजुपालिका (b) निरंजना (c) गोदावरी (d) कोसी

उत्तर—(a)

जैन धर्म में 'पूर्ण ज्ञान' के लिए 'कैवल्य' शब्द का प्रयोग किया गया है। महावीर स्वामी को 12 वर्षों की कठोर तपस्या तथा साधना के पश्चात 'जृम्भिक ग्राम' के समीप ऋजुपालिका नदी के तट पर एक साल वृक्ष के नीचे कैवल्य (पूर्ण ज्ञान) प्राप्त हुआ था, फलतः वे 'केवलिन' कहलाए।

50. सल्तनत काल में 'दीवान-ए-वक्फ' विभाग संबंधित था-

(a) व्यय कागजात की देखभाल करने से
(b) पशुओं के व्यापार से
(c) शाही कारखाने से
(d) बाजार व्यवस्था से

उत्तर—(a)

दीवाने-ए-वक्फ विभाग का काम व्यय के कागजात की देखभाल करना था। इस विभाग की स्थापना जलालुद्दीन खिलजी ने की थी।

51. सतनामियों का विद्रोह किसके शासनकाल में हुआ था?

(a) अकबर (b) शाहजहां (c) औरंगजेब (d) जहांगीर

उत्तर—(c)

1672 ई. में मुगल शासक औरंगजेब के समय सतनामी विद्रोह हुआ था। सतनामियों ने नरनौल शहर पर कब्जा कर लिया, जो मूलतः रविदास के अनुयायी थे। सतनामी एक निम्न तबके से जुड़ा कृषक समुदाय था।

52. निम्नलिखित में किसने 1802 ई. में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ बसीन की संधि की?

(a) बालाजी विश्वनाथ (b) बाजीराव प्रथम
(c) बालाजी बाजीराव (d) बाजीराव द्वितीय

उत्तर—(d)

'बसीन की संधि' दिसंबर, 1802 में पेशवा बाजीराव द्वितीय और अंग्रेजों के मध्य हुई थी। इस सहायक संधि के तहत बाजीराव द्वितीय ने अंग्रेजों की संरक्षकता स्वीकार कर ली। इस संधि की शर्तों के अनुसार, अंग्रेजों ने पेशवा को पूना में पुनः स्थापित करने के साथ लगभग 60 हजार सैनिक पेशवा की रक्षा हेतु उसके राज्य में रखने का वायदा किया, जबकि इसके बदले में पेशवा ने अंग्रेजों को 26 लाख रुपये वार्षिक आय वाले क्षेत्र प्रदान करने पर सहमति जताई।

53. अशोक के किस अभिलेख पर मोर का उत्कीर्णन किया गया था?
(a) लौरियानंदनगढ़ स्तंभ (b) रामपुरवा का सिंह स्तंभ
(c) दिल्ली-टोपरा स्तंभ (d) सारनाथ स्तंभ
उत्तर—(a)

लौरियानंदनगढ़ बिहार के चंपारण जिले में स्थित एक ऐतिहासिक स्थान है, यहां से प्राप्त स्तंभ-अभिलेख में मोर का चित्र वर्णित है, जो मोरिया या मौर्य वंश को इंगित करता है।

54. निम्नलिखित गुप्त शासकों में से सर्वप्रथम किसने रजत मुद्राएं जारी कराई?
(a) काच ने (b) चंद्रगुप्त द्वितीय ने
(c) रामगुप्त ने (d) समुद्रगुप्त ने
उत्तर—(b)

रजत सिक्के जारी करने वाला प्रथम गुप्त शासक चंद्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' था। इस सिक्के को 'रुप्यक' (रुपक) कहा जाता था। चंद्रगुप्त द्वितीय ने शक मुद्राओं के ही अनुकरण पर रजत मुद्राओं को उत्कीर्ण करवाया। इस प्रकार विकल्प (b) सही उत्तर है।

55. निम्नलिखित में से किस ग्रंथ में जलप्लावन की कथा का वर्णन है?
(a) कौषितकी की ब्राह्मण (b) शतपथ ब्राह्मण
(c) गोपथ ब्राह्मण (d) ऐतरेय ब्राह्मण
उत्तर—(b)

शतपथ ब्राह्मण 'यजुर्वेद' का ब्राह्मण है। प्राचीन इतिहास के साधन के रूप में वैदिक साहित्य में ऋग्वेद के बाद शतपथ ब्राह्मण का स्थान है, इसके रचयिता महर्षि याज्ञवल्क्य माने जाते हैं। इस ब्राह्मण में जलप्लावन कथा का वर्णन प्राप्त होता है।

56. इब्नबतूता को किसने दिल्ली का काजी और चीन का राजदूत नियुक्त किया?
(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) जलालुद्दीन फिरोज खिलजी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) खिज्र खान
उत्तर—(c)

मोरक्कन (मोरक्को) यात्री इब्नबतूता सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में सितंबर, 1333 ई. में दिल्ली आया। सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक ने इसे दिल्ली का प्रमुख काजी नियुक्त किया। इस पद पर इसने आठ वर्ष तक कार्य किया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य
- इसने अपना यात्रा वृत्तांत अरबी भाषा में 'किताब-उल-रेहला' नामक ग्रंथ में लिखा है।
- 1342 ई. में सुल्तान के राजदूत की हैसियत से चीनी शासक तोरान तिमूर के दरबार में गया।

57. 'हुमायूंनामा' को किसने लिखा था?
(a) गुलबदन बेगम (b) अर्जुमन्द बानो
(c) जहांआरा (d) रोशन आरा
उत्तर—(a)

'हुमायूंनामा' की रचना हुमायूं की बहन गुलबदन बेगम ने फारसी भाषा में अकबर के शासनकाल में की थी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य
- अकबर के आग्रह पर गुलबदन बेगम ने अपने संस्मरणों को हुमायूंनामा में संग्रहित किया।
- 'फुतुहात-ए-आलमगीरी' नामक ग्रंथ ईश्वरदास ने लिखा।
- भीमसेन ने फारसी भाषा में 'नुख्सा-ए-दिलकुशा' नामक ग्रंथ लिखा।

58. राजदरबार में 'मीर-ए-तुजुक' शब्द का प्रयोग किया जाता था?
(a) शाही संदेशवाहक के लिए (b) राजकीय पत्रकार के लिए
(c) शाही अंगरक्षक के लिए (d) प्रमुख सचिव के लिए
उत्तर—(*)

मुगल दरबार में मीर-ए-तुजुक (मीर-ए-तोजक) धर्मानुष्ठान का अधिकारी था। इसका प्रमुख कार्य धार्मिक उत्सवों आदि का प्रबंध करना था।

59. किस ग्रंथ में 'अवतारवाद' की चर्चा है?
(a) ऐतरेय ब्राह्मण में (b) कौषितकी उपनिषद में
(c) मनुस्मृति में (d) भगवद्गीता में
उत्तर—(d)

'श्रीमद् भगवद्गीता' मौलिक रूप से संस्कृत भाषा में लिखी गई थी। यह प्राचीन धार्मिक ग्रंथ 'महाभारत' का एक भाग है। 'अवतारवाद' संबंधी विस्तृत चर्चा इसी ग्रंथ में की गई है, जिसमें श्रीकृष्ण ने अर्जुन को समझाते हुए कहा- यदा यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ।।
अर्थात: हे अर्जुन! जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब मैं प्रकट (अवतार) होता हूं।

60. निम्नलिखित किसके लिए 'तूति-ए-हिंद' उपनाम का प्रयोग किया गया था?
(a) जियाउद्दीन बरनी (b) अमीर खुसरो
(c) याहिया बिन अहमद सरहिन्दी (d) शहाबुद्दीन अहमद
उत्तर—(b)

अबुल हसन यामिनुद्दीन खुसरो जिसे प्रायः अमीर खुसरो के नाम से जाना जाता है, का जन्म 1253 ई. (651 हिजरी) में उत्तर प्रदेश के वर्तमान कासगंज (कांशीरामनगर) जिले के पटियाली नामक स्थान पर हुआ था। खुसरों ने स्वयं को 'तूती-ए-हिंद' कहा है।

61. मौर्यों के समय 'समाहर्ता' का क्या कार्य था?
(a) वह एक सैनिक अधिकारी था
(b) वह कोष विभाग का एक अधिकारी था
(c) वह एक न्यायिक अधिकारी था
(d) वह राजस्व संग्रहकर्ता था
उत्तर—(d)

मौर्य मंत्रिपरिषद में राजस्व एकत्र करने का कार्य समाहर्ता के द्वारा किया जाता था।

62. हड़प्पा सभ्यता में निम्नलिखित किस लिपि का प्रयोग किया गया?

(a) वर्णात्मक (b) चित्रात्मक
(c) ध्वनि बोधक (d) शब्दांश

उत्तर—(b)

सिंधु घाटी की लिपि की सूचना मुख्यतः मुहरों से मिलती है। इसके अतिरिक्त मृदभांडों, कुल्हाड़ियों एवं ताम्र पट्टिकाओं पर भी लिपियों के प्रमाण मिले हैं। सिंधु लिपि में लगभग 64 मूल चिह्न एवं 400 से 500 तक चित्राक्षर (पिक्टोग्राफ) हैं। इसकी लिखावट क्रमशः दाईं ओर से बाईं ओर की जाती थी।

63. निम्नलिखित में से किसने कलकत्ता में 'दि नेशनल एसोसिएशन' की स्थापना की?

(a) हेमेंद्रनाथ टैगोर (b) देवेंद्रनाथ टैगोर
(c) सुरेंद्रनाथ बनर्जी (d) दादाभाई नौरोजी

उत्तर—(c)

26 जुलाई, 1876 को सुरेंद्रनाथ बनर्जी ने आनंद मोहन बोस के सहयोग से इंडियन एसोसिएशन या भारत संघ की स्थापना कलकत्ता में की। यह तत्कालीन राजनीतिक संस्थाओं में सबसे प्रमुख एवं महत्वपूर्ण थी, जिसे कांग्रेस से पूर्व अखिल भारतीय स्तर की संस्था का सम्मान प्राप्त था। इस संस्था ने सिविल सेवा परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग तथा इल्बर्ट बिल विवाद जैसे मामलों को लेकर आंदोलन चलाया। इंडियन एसोसिएशन (भारत संघ) में जमींदारों के स्थान पर मध्यम वर्ग को प्रधानता दी गई थी।

64. तैमूर ने किस वर्ष भारत पर आक्रमण किया था?

(a) 1398 (b) 1498
(c) 1526 (d) 1757

उत्तर—(a)

भारत पर तैमूर का आक्रमण वस्तुतः तुगलक शासक नासिरुद्दीन महमूद (1394-1412 ई.) के काल में (1398 ई.) हुआ था। भारत पर आक्रमण करने के उद्देश्यों को तैमूर ने स्वयं स्पष्ट किया था। उनमें से एक था काफिरों से युद्ध तथा उनका विनाश तथा दूसरा था धन प्राप्ति। जनवरी, 1399 ई. में तैमूर फिरोजाबाद, मेरठ, हरिद्वार, कांगड़ा और जम्मू होता हुआ वापस लौटा। जाने से पहले उसने खिज्र खां को मुल्तान, दीपालपुर और लाहौर का सूबेदार नियुक्त किया।

65. वल्लभ भाई पटेल सर्वप्रथम गांधी के किस आंदोलन से जुड़े?

(a) चंपारण सत्याग्रह (b) असहयोग आंदोलन
(c) खेड़ा सत्याग्रह (d) डांडी मार्च

उत्तर—(c)

वर्ष 1918 में गुजरात के खेड़ा में किसानों की फसल नष्ट हो जाने के बाद भी सरकार ने लगान में छूट नहीं दी थी और भू-राजस्व उगाही स्थगित नहीं की थी। इसी मुद्दे पर महात्मा गांधी ने खेड़ा के किसानों के पक्ष में सत्याग्रह किया था। इसी आंदोलन में वल्लभ भाई पटेल सर्वप्रथम महात्मा गांधी से जुड़े।

66. निम्नलिखित भारतीय शासकों में कौन सर्वप्रथम सहायक संधि में सम्मिलित हुआ?

(a) अवध का नवाब (b) मैसूर का राजा
(c) बाजीराव II (d) निजाम अली

उत्तर—(a)

वेलेजली ने सहायक संधि का आविष्कार नहीं किया, इस प्रणाली का अस्तित्व पहले से ही था। संभवतः डूप्ले प्रथम यूरोपीय था, जिसने अपनी सेना किराए पर भारतीय राजाओं को दी थी। क्लाइव के काल से यह प्रणाली लगभग सभी गवर्नर जनरलों ने अपनाई थी। वेलेजली की विशेषता केवल यह थी कि उसने इसका विकास कर अपने संपर्क में आने वाले सभी देशी राजाओं के संबंधों में इसका प्रयोग किया। प्रथम सहायक संधि 1765 ई. में अवध से की गई, जब कंपनी ने निश्चित धन के बदले उसकी सीमाओं की रक्षा करने का वचन दिया और अवध ने एक अंग्रेज रेजीडेंट को लखनऊ में रखना स्वीकार किया।

नोट- यदि प्रश्न में वेलेजली की सहायक संधि को स्वीकार करने वाले प्रथम राज्य के बारे में पूछा जाए, तो उत्तर हैदराबाद होगा।

67. स्कंदगुप्त के शासनकाल में सुराष्ट्र का प्रांतपति निम्नलिखित में कौन था?

(a) तुषास्प (b) पर्णदत्त
(c) विशाख (d) हरिषेण

उत्तर—(b)

गुप्त प्रशासन में प्रांतीय शासकों की नियुक्ति सम्राट द्वारा की जाती थी तथा उन्हें 'उपरिक' 'गोप्ता', 'भोगपति' तथा 'राजस्थानीय' कहा जाता था। इन शासकों का प्रमुख परामर्शदाता कुमारामात्य था। सीमांत प्रदेशों के शासक 'गोप्ता' कहलाते थे। स्कंदगुप्त के जूनागढ़ अभिलेख से ज्ञात होता है कि उसने सौराष्ट्र प्रांत (सीमांत प्रदेश) में पर्णदत्त को अपना राज्यपाल (गोप्ता) नियुक्त किया था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- मौर्य काल में सौराष्ट्र की स्थिति अर्ध स्वतंत्र प्रांत की थी।
- चंद्रगुप्त के समय पुष्यगुप्त तथा अशोक के समय में तुषास्प यहां का प्रशासक था।
- रुद्रदामन (शक शासक) के जूनागढ़ अभिलेख से ज्ञात होता है कि सौराष्ट्र में सुदर्शन झील, जिसका निर्माण चंद्रगुप्त के समय में हुआ था तथा अशोक के समय में इससे नहरें निकलवाई गई थीं, जिसका पुनर्निर्माण उसने अपने राज्यपाल 'सुविशाख' के द्वारा कराया था।

68. निम्नलिखित में किसको 'सीमान्त गांधी' कहा जाता है?

(a) जिन्ना (b) लियाकत अली
(c) सैयद अहमद (d) खान अब्दुल गफ्फार खान

उत्तर—(d)

Adda247 GET IT ON Google Play

उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत में खान अब्दुल गफ्फार खां के नेतृत्व में 'खुदाई खिदमतगार' नामक स्वयंसेवक संगठन स्थापित किया गया था, इन्हें 'लाल कुर्ती' (Red Shirt) के नाम से भी जाना जाता है। 'लाल कुर्ती' संगठन ने पठानों की राष्ट्रीय एकता का नारा बुलंद किया और अंग्रेजों से स्वतंत्रता के लिए ब्रिटिश उपनिवेशवाद के विरुद्ध आंदोलन संगठित किया तथा श्रमजीवियों की हालत में सुधार की मांग की। ध्यातव्य है कि जब अन्य प्रांतों में मुसलमान स्वयं को सत्याग्रह आंदोलन से अलग रख रहे थे, उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत के मुसलमानों ने खान अब्दुल गफ्फार के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन्हें 'सीमांत गांधी' भी कहा जाता था।

69. निम्नलिखित में कौन गुप्त शासक ने अश्वमेध यज्ञ संपादित कराया था?

(a) चंद्रगुप्त प्रथम (b) चंद्रगुप्त द्वितीय
(c) कुमारगुप्त प्रथम (d) स्कंदगुप्त

उत्तर—(c)

कुमारगुप्त प्रथम के सिक्कों से पता चलता है कि उसने अश्वमेध यज्ञ का अनुष्ठान किया था। अश्वमेध प्रकार के सिक्कों के मुख भाग पर यज्ञयूप में बंधे हुए घोड़े की आकृति तथा पृष्ठ भाग पर 'श्री अश्वमेधमहेंद्र' मुद्रा लेख अंकित है। परंतु अपनी किस महत्वपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में कुमार गुप्त प्रथम ने इस यज्ञ का अनुष्ठान किया है यह ज्ञात नहीं है। यद्यपि वाराणसी के दक्षिण-पूर्व में स्थित नगवा नामक ग्राम से प्राप्त एक पाषाण निर्मित 'अश्व पर 'चंद्रगु' अंकित है। जे. रत्नाकर ने इसकी साम्यता चंद्रगुप्त द्वितीय के साथ की है तथा बताया है कि चंद्रगुप्त द्वितीय ने अश्वमेध यज्ञ किया था। परन्तु इस मत का समर्थन किसी अन्य साक्ष्य से नहीं प्रमाणित होता है और इस पर शोध कार्य जारी है। अतः इस विषय में हम निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकते।

70. किस सुल्तान ने जौनपुर शहर की नींव रखी थी?

(a) मुहम्मद तुगलक (b) फिरोज तुगलक
(c) बलबन (d) इल्तुतमिश

उत्तर—(b)

फिरोज शाह तुगलक ने 300 नवीन नगरों की स्थापना की थी। उसके द्वारा बसाए गए नगरों में फतेहाबाद, हिसार, फिरोजपुर और जौनपुर प्रमुख थे। जौनपुर की स्थापना 1359 ई. में फिरोज तुगलक ने अपने चचेरे भाई जौना खां (मुहम्मद बिन तुगलक) की स्मृति में की थी। सुल्तान मुहम्मद शाह द्वितीय के शासनकाल (1394 ई.) में जौनपुर एक स्वतंत्र राज्य बना। इसका संस्थापक मलिक सरवर था, जिसने स्वतंत्र शर्की राज्य की स्थापना की। मलिक सरवर मुहम्मद शाह द्वितीय का दास था। सुल्तान ने उसे 'मलिक-उश-शर्क' (पूर्व का स्वामी) तथा ख्वाजा-ए-जहां की उपाधि प्रदान की थी। शर्की शासकों ने लगभग 85 वर्षों तक जौनपुर की स्वतंत्रता को स्थापित रखा, किंतु 1479 ई. में बहलोल लोदी ने इसके अंतिम शासक हुसैन शाह शर्की को पराजित कर जौनपुर को पुनः दिल्ली सल्तनत का अंग बना लिया।

71. मौर्यों के समय कण्टक शोधक न्यायालय का न्यायाधीश किस नाम से जाना जाता था?

(a) मुख्य न्यायाधीश (b) धर्मस्थ
(c) पौर व्यावहारिक (d) प्रदेष्टा

उत्तर—(d)

कौटिल्य के अर्थशास्त्र के अनुसार, मौर्यकालीन न्याय व्यवस्था में न्यायालय मुख्यतः दो प्रकार के थे- **धर्मस्थीय** तथा **कण्टकशोधन**। धर्मस्थीय दीवानी तथा कण्टकशोधन **फौजदारी न्यायालय** था। '**प्रदेष्टा**' फौजदारी न्यायालय का न्यायाधीश तथा '**व्यावहारिक**' दीवानी न्यायालय का न्यायाधीश था। कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में उल्लेख है कि जो अमात्य 'धर्मोपधाशुद्ध' अर्थात धार्मिक प्रलोभन द्वारा शुद्ध चरित्र वाले सिद्ध होते थे, उन्हें ही न्यायाधीश बनाया जाता था।

72. एक पुनर्विवाहित स्त्री के लिए प्रयुक्त पुनर्भू शब्द सर्वप्रथम किस ग्रन्थ में दिखता है?

(a) ऋग्वेद (b) अथर्ववेद
(c) बौधायन धर्मसूत्र (d) वशिष्ठ धर्मसूत्र

उत्तर—(b)

पुनर्विवाहित स्त्री के लिए प्रयुक्त पुनर्भू शब्द का उल्लेख सर्वप्रथम अथर्ववेद में मिलता है।

73. 'बाजार नियंत्रण' किस दिल्ली के सुल्तान से संबंधित है?

(a) बलबन (b) सिकन्दर लोदी
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) रजिया

उत्तर—(c)

सल्तनत काल में अलाउद्दीन खिलजी द्वारा बाजार नियंत्रण या मूल्य नियंत्रण पद्धति को लागू किया गया था। अलाउद्दीन ने केंद्र में एक बड़ी और स्थायी सेना रखी तथा उसे उसको नकद वेतन दिया। ऐसा करने वाला वह दिल्ली का पहला सुल्तान था। सेना का व्यय बहुत अधिक था। बरनी के अनुसार—''यदि उतनी बड़ी सेना को साधारण वेतन भी दिया जाता, तो राज्य का खजाना पांच या छः वर्ष में ही समाप्त हो जाता।'' अतः अलाउद्दीन ने सेना के खर्च में कमी करने के लिए सैनिकों के वेतन में कमी की। परंतु उसके सैनिक सुविधापूर्वक रह सकें, इसके लिए उसने वस्तुओं के मूल्य निश्चित किए और उनकी दरें कम कर दीं।

74. मौर्य शासन व्यवस्था में 'रूपदर्शक' नामक अधिकारी था-

(a) सिक्कों का परीक्षक
(b) चांदी तथा अन्य धातुओं का परीक्षक
(c) रंगमंच का प्रबंधक
(d) गणिकाओं का प्रभारी

उत्तर—(a)

अर्थशास्त्र में मौर्य शासन व्यवस्था का उल्लेख है। अर्थशास्त्र में राजकीय टकसाल का भी उल्लेख मिलता है, जिसका अधीक्षक लक्षणाध्यक्ष होता था। मुद्राओं का परीक्षण करने वाला अधिकारी 'रूपदर्शक' कहा जाता था।

Adda247 GET IT ON Google Play

75. **जालियांवाला बाग नरसंहार के समय भारत में कौन वायसराय था?**
(a) लॉर्ड कर्जन (b) लॉर्ड चेम्सफोर्ड
(c) लॉर्ड मिन्टो (d) लॉर्ड बेन्टिक

उत्तर—(b)

13 अप्रैल, 1919 को वैशाखी के दिन अमृतसर में जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ। इस समय भारत का वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड (1916-21) था। इसी के समय रॉलेट एक्ट (1919) पास हुआ तथा भारत सरकार अधिनियम, 1919 या मॉण्टेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार लाया गया।

76. **'दीवान-ए-अर्ज' विभाग का निर्माण किसने कराया था?**
(a) शम्सुद्दीन इल्तुतमिश (b) रजिया
(c) गयासुद्दीन बलबन (d) अलाउद्दीन खिलजी

उत्तर—(c)

'दीवान-ए-अर्ज' विभाग की स्थापना बलबन ने की थी। दिल्ली सुल्तानों के अधीन सैन्य विभाग (दीवान-ए-अर्ज) का प्रमुख आरिज-ए-मुमालिक होता था। जिसका प्रमुख कार्य सैनिकों तथा घोड़ों का हुलिया रखना एवं सैन्य निरीक्षण करना था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 'मीर बख्शी' मुगल काल में सैन्य विभाग का सर्वोच्च अधिकारी होता था।
- मुस्तौफी-ए-मुमालिके (महालेखा परीक्षक), राज्य की खर्चों की जांच करता था।
- दस सरखेलों (100 घुड़सवार) की टुकड़ी का प्रधान एक सिपहसालार होता था।

77. **किसके शासनकाल के अंतर्गत शेख अब्दुल हक मुहद्दित देहलवी एक प्रमुख धार्मिक विद्वान थे?**
(a) हुमायूं (b) बाबर
(c) जहांगीर (d) औरंगजेब

उत्तर—(c)

जहांगीर एवं शाहजहां के शासनकाल से संबंधित शेख अब्दुल हक मुहद्दित देहलवी अरबी एवं फारसी का धार्मिक विद्वान था।

78. **अकबर के समय मालवा विजय के लिए कौन उत्तरदायी था?**
(a) पीर मोहम्मद (b) अब्दुल्ला खान उजबेग
(c) अदम खान (d) बैरम खान

उत्तर—(b)

1562 ई. में मालवा का सूबेदार मुल्ला पीर मोहम्मद था। दक्षिण भारत के शासकों की सहायता लेकर बाणबहादुर ने मालवा पर आक्रमण किया। पीर मोहम्मद की मृत्यु के बाद मालवा पर पुनः बाणबहादुर का अधिकार हो गया। परंतु अकबर ने अब्दुल्ला खान उजबेग के नेतृत्व में एक मुगल सेना मालवा को जीतने के लिए भेजी, जिसने बाज बहादुर को परास्त कर मालवा को अपने अधीन कर लिया।

79. **निम्नलिखित में से कौन एक 'आत्मीय सभा' से नहीं जुड़ा था?**
(a) द्वारका नाथ टैगोर (b) हरिहरानंद तीर्थ स्वामी
(c) नंद किशोर बोस (d) केशवचंद्र सेन

उत्तर—(d)

हिंदू धर्म के एकेश्वरवादी मत का प्रचार करने के लिए 1815 ई. में राजा राममोहन राय ने अपने युवा समर्थकों के सहयोग से 'आत्मीय सभा की स्थापना की। राजा राममोहन राय द्वारा स्थापित यह प्रथम संस्था थी। आत्मीय सभा से जुड़े सदस्य थे- द्वारका नाथ टैगोर, हरिहरानंद तीर्थ स्वामी, नंद किशोर बोस, बृंदाबन मिश्रा, शिव प्रसाद मिश्रा एवं प्रसन्न कुमार टैगोर, जबकि केशवचंद्र सेन ब्रह्म समाज से जुड़े थे, जिन्होंने कालांतर में ब्रह्म समाज से अलग होकर 'भारतीय ब्रह्म समाज' की स्थापना की।

80. **किसने अपने ग्रन्थ में मुद्रा जालसाजों को संदर्भित किया है?**
(a) कौटिल्य (अर्थशास्त्र) (b) मनुस्मृति
(c) पाणिनि (अष्टाध्यायी) (d) पतंजलि (महाभाष्य)

उत्तर—(a)

कौटिल्य के अर्थशास्त्र में केंद्रीय प्रशासन का अत्यन्त विस्तृत विवरण प्राप्त होता है। शासन की सुविधा के लिए केंद्रीय प्रशासन अनेक विभागों में बंटा हुआ था। प्रत्येक विभाग को 'तीर्थ' कहा जाता था। 18 तीर्थों की सूची प्राप्त होती है। अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने 'मुद्रा जालसाजों का उल्लेख किया है, जिन्हें 'कुटारूपकार' (Kutarupakaraka) कहा जाता था।

81. **शैल चित्रकारी के लिए प्रसिद्ध प्रागैतिहासिक स्थल निम्नलिखित में कौन है?**
(a) लांघनाज (b) बिरभानपुर
(c) नागार्जुनकोण्डा (d) भीमबैठका

उत्तर—(d)

प्रागैतिहासिक चित्रकला का श्रेष्ठ उदाहरण म.प्र. के रायसेन जिला स्थित 'भीमबेटका' के शैलाश्रय तथा गुफाएं हैं। भीमबेटका (भीमबैठका) की प्रागैतिहासिक चित्रकला को मध्यपाषाण काल से संबंधित किया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अजंता तथा बाघ की शैलकृत गुफा चित्रकला ऐतिहासिक कालीन (मौर्य काल के बाद की) है।
- अमरावती अपने स्तूप स्थापत्य के लिए प्रसिद्ध है, जिसे शुंग कालीन या सातवाहन कालीन माना जाता है।

82. **हड़प्पा सभ्यता के निम्नलिखित किस नगर में चिनाई के कार्य में तक्षित प्रस्तर का प्रयोग कच्ची ईंटों के साथ किया जाता था?**
(a) हड़प्पा (b) मोहनजोदड़ो
(c) लोथल (d) धौलावीरा

उत्तर—(d)

धौलावीरा, गुजरात के कच्छ जिले में स्थित महत्वपूर्ण हड़प्पीय स्थल है। इस स्थल की खोज वर्ष 1967-68 में जगपति जोशी ने की थी। धौलावीरा नगर में चिनाई के कार्य में तक्षित प्रस्तर का प्रयोग कच्ची ईंटों के साथ किया जाता था। धौलावीरा से अनेक जलाशयों के तथा त्रिस्तरीय नगर योजना के प्रमाण प्राप्त हुए हैं। धौलावीरा का जल प्रबंध अद्वितीय था।

83. समुद्रगुप्त के शासनकाल के समय कांची का शासक कौन था?

(a) विष्णुगोप (b) स्वामीदत्त (c) हस्तिवर्मन (d) उग्रसेन

उत्तर–(a)

समुद्रगुप्त के समय 'कांची' का राजा विष्णुगोप था। विष्णुगोप संभवतः पल्लववंशी राजा था। कांची मद्रास स्थित काञ्चीवरम् है। समुद्रगुप्त ने दक्षिण भारत के 12 शासकों को पराजित किया, जिसमें कांची का विष्णुगोप भी शामिल है। समुद्रगुप्त की दक्षिणापथ विजय को रायचौधरी ने 'धर्मविजय' की संज्ञा प्रदान की है।

84. शेरशाह के शासन के समय किस विभाग का अध्यक्ष राज्य की आय और व्यय की देखभाल करता था?

(a) दीवान-ए-वजारत (b) दीवान-ए-आरिज
(c) दीवान-ए-रसालत (d) दीवान-ए-इंशा

उत्तर–(a)

सैनिक और असैनिक दोनों ही मामलों में शेरशाह ने संगठनकर्ता की दृष्टि से शानदार योग्यता का परिचय दिया। शासन की सुविधा की दृष्टि से शेरशाह को सल्तनत काल की व्यवस्था के आधार पर चार मंत्री विभाग बनाने पड़े थे- (1) दीवान-ए-वजारत, (2) दीवान-ए-आरिज, (3) दीवान-ए-रसालत तथा (4) दीवान-ए-इंशा। स्पष्ट है कि दीवान-ए-वजारत, लगान और अर्थव्यवस्था का प्रधान था। राज्य की आय और व्यय की देखभाल करना इसका दायित्व था। इसे मंत्रियों के कार्यों की देखभाल का भी अधिकार था।

85. किसने 'वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट' समाप्त किया?

(a) लॉर्ड लिटन (b) लॉर्ड रिपन
(c) लॉर्ड कर्जन (d) लॉर्ड वेलेजली

उत्तर–(b)

वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट या भारतीय भाषा समाचार-पत्र अधिनियम 1878 ई. में लॉर्ड लिटन के काल में पारित किया गया। इस अधिनियम को 'मुंह बंद करने वाला अधिनियम' भी कहा गया। इस अधिनियम को लॉर्ड रिपन द्वारा 1882 ई. में समाप्त कर दिया गया। लॉर्ड रिपन (1880-84 ई.) भारत का सर्वाधिक लोकप्रिय गवर्नर जनरल था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- रिपन का काल स्थानीय स्वायत्त शासन के जन्म का काल माना जाता है।
- 1881 ई. में प्रथम फैक्टरी अधिनियम इसी के समय में पारित हुआ।
- 1882 ई. में प्राथमिक शिक्षा से संबंधित हंटर कमीशन का गठन किया गया।
- इल्बर्ट बिल विवाद 1883 ई. में रिपन के समय में ही हुआ था।

86. प्रसिद्ध पुस्तिका 'ब्रह्मोपासना' निम्नलिखित में किससे संबंधित थी?

(a) प्रार्थना समाज से (b) देव समाज से
(c) आर्य समाज से (d) ब्रह्म समाज से

उत्तर–(d)

प्रसिद्ध पुस्तिका 'ब्रह्मोपासना' ब्रह्म समाज से संबंधित थी। देवेंद्रनाथ टैगोर ने इसमें 'ब्रह्मोपासना' संबंधित तथ्यों से परिचय करवाया था।

87. भू-राजस्व के निर्धारण के लिए निम्नलिखित किस चोल शासक ने अपने राज्य में भूमि सर्वेक्षण को प्रारंभ कराया?

(a) राजराज प्रथम (b) राजेंद्र प्रथम
(c) राजेंद्र द्वितीय (d) कुलोत्तुंग प्रथम

उत्तर–(a)

चोल शासक राजराज प्रथम ने लगभग 1000 ई. में समस्त कृषि भूमि की पैमाइश करवाई तथा भूमि की किस्म के अनुसार भूमिकर निर्धारित किया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- रविकुलमाणिक्य, मुम्मुदिचोल, चोलमार्तण्ड, शिवपादशेखर आदि राजराज प्रथम की प्रमुख उपाधियां हैं।
- तंजौर में वृहदीश्वर मंदिर का निर्माण भी राजराज प्रथम के ही काल में हुआ था।

88. भारत और पाकिस्तान के स्वाधीन होने की घोषणा किस दिन की गई थी?

(a) 3 जून, 1947 (b) 15 अगस्त, 1947
(c) 4 जुलाई, 1947 (d) 16 अक्टूबर, 1947

उत्तर–(a)

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 यूनाइटेड किंगडम की पार्लियामेंट द्वारा पारित वह विधान है जिसके अनुसार, ब्रिटेन शासित भारत का दो भागों (भारत तथा पाकिस्तान) में विभाजन किया गया। भारत के विभाजन से संबंधित 'माउंटबेटन योजना' की सरकारी तौर पर घोषणा 3 जून, 1947 को की गई। माउंटबेटन योजना (3 जून, 1947) के फलस्वरूप ब्रिटिश संसद में 4 जुलाई, 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम प्रस्तावित किया गया जो 18 जुलाई, 1947 को स्वीकृत हुआ। जिसमें भारत और पाकिस्तान नामक दो डोमिनियनों की स्थापना के लिए 15 अगस्त, 1947 की तिथि निश्चित की गई।

89. बौद्ध मान्यता के अनुसार निम्नलिखित किस देवता ने तीन बार बुद्ध से प्रार्थना की कि अपने ज्ञान के प्रकाश को आगे आकर चारों ओर फैलाएं?

(a) ब्रह्मा (b) विष्णु
(c) शिव (d) कृष्ण

उत्तर–(a)

बौद्ध मान्यता के अनुसार ब्रह्मा (देवता) ने तीन बार बुद्ध से प्रार्थना की कि वह अपने ज्ञान के प्रकाश को आगे आकर चारों ओर फैलाएं।

90. मुगल काल में 'जब्त' क्या था?

(a) जमीन जब्ती हो जाना (b) जमीन की पैमाइश

(c) कर (d) मुद्रा

उत्तर—(b)

मुगल काल में 'जब्त' जमीन की पैमाइश से संबंधित था।

91. निम्नलिखित में कौन चोल शासक युद्ध भूमि में राजा घोषित हुआ था?

(a) राजेंद्र प्रथम (b) राजराज प्रथम

(c) राजेंद्र द्वितीय (d) राजाधिराज

उत्तर—(c)

कोप्पम के युद्ध (1052-54 ई.) राजाधिराज प्रथम लड़ता हुआ मारा गया। परंतु उसके भाई राजेंद्र द्वितीय ने सोमेश्वर की सेना को बुरी तरह परास्त कर दिया। राजेंद्र ने युद्ध क्षेत्र में ही अपना अभिषेक किया।

92. 1864 ई. में किसने 'साइन्टिफिक सोसायटी' की स्थापना की थी?

(a) दादाभाई नौरोजी (b) आर.सी. दत्त

(c) जी.के. गोखले (d) सर सैय्यद अहमद खान

उत्तर—(d)

1864 ई. में सर सैय्यद अहमद ने साइंटिफिक सोसायटी की स्थापना की। इन्होंने अलीगढ़ में एंग्लो मुस्लिम स्कूल की स्थापना की, जो बाद में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (1875 ई.) के रूप में प्रसिद्ध हुआ। सर सैय्यद अहमद खां महान मुस्लिम समाज सुधारक और भविष्यदृष्टा थे, जिन्होंने शिक्षा के लिए जीवन भर प्रयास किया। सर सैय्यद अहमद ने लोगों को पारंपरिक शिक्षा के स्थान पर आधुनिक ज्ञान हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

93. किसकी अध्यक्षता वाली कांग्रेस अधिवेशन में 'असहयोग आंदोलन' का प्रस्ताव पारित हुआ?

(a) पी. सीतारमैया (b) जवाहरलाल नेहरू

(c) मोतीलाल नेहरू (d) लाला लाजपत राय

उत्तर—(d)

सितंबर, 1920 में लाला लाजपत राय की अध्यक्षता में कलकत्ता में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विशेष अधिवेशन में महात्मा गांधी की प्रेरणा से असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव पारित किया गया। दिसंबर, 1920 में नागपुर में हुए कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में इसकी पुष्टि कर दी गई।

94. सम्राट अशोक की निम्नलिखित रानियों में किसका नाम उसके अभिलेख में उल्लिखित है?

(a) कारूवाकी (b) तिष्यरक्षिता

(c) महादेवी (d) कुमारदेवी

उत्तर—(a)

कौशाम्बी के लघु स्तंभ लेख में अशोक की रानी कारूवाकी द्वारा दान दिए जाने का उल्लेख है। इसे रानी का अभिलेख भी कहा जाता है। इसी में उसके एकमात्र पुत्र (अभिलेखों में) तीवर का उल्लेख मिलता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- सांची एवं सारनाथ लघु स्तंभ लेख में अशोक अपने महामात्रों को संघ भेद रोकने का आदेश देता है।
- मौर्य काल में महास्थान क्षेत्र 'पुण्ड्रनगर' क्षेत्र कहलाता था। अभिलेख में इस क्षेत्र में महामात्रों द्वारा अकाल के समय लोगों की सहायता करने का उल्लेख है।
- प्राप्त अभिलेखों में सोहगौरा ताम्रलेख प्रथम ताम्र अभिलेख है। इसमें भी अकाल के समय अनाज वितरण की व्यवस्था का वर्णन है।

95. बाबर द्वारा किस भाषा में 'तुजुक-ए-बाबरी' लिखी गई थी?

(a) उर्दू (b) पर्सियन

(c) तुर्की (d) फ्रेंच

उत्तर—(c)

बाबर ने अपनी आत्मकथा तुजुक-ए-बाबरी में जिन दो हिंदू राज्यों का उल्लेख किया है—उनमें एक विजयनगर है तथा दूसरा मेवाड़। बाबर लिखता है कि ''जब हम लोग काबुल में ही थे तो राणा सांगा (मेवाड़ का शासक) ने उपस्थित होकर उसकी ओर से निष्ठा प्रदर्शित की थी और यह निश्चय किया था कि सम्मानित बादशाह इस ओर से दिल्ली के समीप पहुंच जाएं, तो मैं (राणा सांगा) इस ओर से आगरा पर आक्रमण कर दूंगा।'' तुर्की भाषा में बाबर द्वारा लिखित यह ग्रंथ संसार की श्रेष्ठतम आत्मकथाओं में स्थान रखता है। अकबर ने अब्दुर्रहीम खानखाना द्वारा 'बाबरनामा' का फारसी में रूपांतरण करवाया। इसके अतिरिक्त बाबर द्वारा पद्य रचनाओं का संकलन 'दीवान' में किया गया जो तुर्की पद्य में श्रेष्ठ स्थान रखता है।

96. वीर-निर्वाण युग किससे संबंधित है?

(a) जैन धर्म (b) बौद्ध धर्म

(c) शैव सम्प्रदाय (d) आजीविक

उत्तर—(a)

वीर-निर्वाण युग जैन धर्म से संबंधित है। यह 24वें जैन तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण को स्मरण कराता है। यह कालानुक्रमिक गणना की सबसे पुरानी प्रणालियों में से एक है, जिसका प्रयोग आज भी भारत में किया जाता है।

97. जलियांवाला बाग नरसंहार के विरोधस्वरूप निम्नलिखित में किसने नाइटहुड (सम्मान) का परित्याग कर दिया?

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) अरविंद घोष

(c) रवीन्द्रनाथ टैगोर (d) विपिन चंद्र पाल

उत्तर—(c)

13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग नरसंहार की हृदय-विदारक घटना के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रदान की गई 'नाइट हुड' की उपाधि का परित्याग कर दिया था। पंजाब के दो लोकप्रिय नेताओं डॉ. सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल की गिरफ्तारी और ब्रिटिश दमन का विरोध करने के लिए 13 अप्रैल, 1919 को बैसाखी के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में एक सार्वजनिक सभा बुलाई गई थी। निहत्थी भीड़ पर जनरल डायर ने गोलियां चलवा दीं, जिसमें लगभग 1,000 लोग मारे गए थे।

98. 'इंडियन सोसायटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट' की स्थापना किसके द्वारा की गई?

(a) रवीन्द्रनाथ टैगोर (b) अवनींद्रनाथ टैगोर
(c) देवेंद्रनाथ टैगोर (d) गगनेंद्रनाथ टैगोर

उत्तर—(b)

वर्ष 1907 में अवनींद्रनाथ टैगोर ने कलकत्ता में 'इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट' की स्थापना की थी। उक्त संस्था द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति के प्रथम प्राप्तकर्ता नंदलाल बोस थे। उन्होंने कला की शिक्षा अवनींद्रनाथ टैगोर से ग्रहण की। नंदलाल बोस एक प्रसिद्ध भारतीय चित्रकार थे, जिन्होंने संविधान की मूल प्रति का डिजाइन बनाया था। इनके प्रसिद्ध चित्रों में दांडी मार्च, संथाली कन्या, सती का देह त्याग इत्यादि शामिल हैं।

99. कैबिनेट मिशन किस वर्ष भारत आया?

(a) मार्च, 1946 (b) मार्च, 1947
(c) मार्च, 1945 (d) मार्च, 1948

उत्तर—(a)

कैबिनेट मिशन 24 मार्च, 1946 को भारत आया। इस मिशन के सदस्य स्टैफोर्ड क्रिप्स (अध्यक्ष बोर्ड ऑफ ट्रेड), पैथिक लॉरेंस (भारत सचिव) और ए.वी.एलेक्जेंडर (नौसेना मंत्री) थे। इसने त्रिस्तरीय शासन व्यवस्था को सुझाया। प्रांतों के छोटे अथवा बड़े गुट बनाने के अधिकारों की पुष्टि की तथा प्रांतों को 'अ', 'ब' और 'स' तीन श्रेणियों में विभक्त किया।

100. भारत में निम्नलिखित में किस नवपाषाणिक स्थल को सर्वप्रथम सूचित किया गया?

(a) कोल्डिह्वा (b) चिरांद
(c) गुफकराल (d) लिंगसुगुर

उत्तर—(d)

भारतीय उपमहाद्वीप में प्राचीनतम नव पाषाणिक स्थल (प्रथम सूचित) लिंगसुगुर में मेडोव टेलर द्वारा 1842 ई. में खोजा गया।

101. कादरी सिलसिला के सूफी संत लाहौर के मियां मीर किसके राज्यकाल से संबंधित थे?

(a) हुमायूं (b) बाबर
(c) जहांगीर (d) जहांदार शाह

उत्तर—(c)

कादरी सिलसिले के सूफी संत लाहौर के मियां मीर (1550 ई. 1635 ई.) अकबर तथा जहांगीर के राज्यकाल से संबंधित थे। सिख गुरु अर्जुन देव इनके मित्र थे। पांचवें गुरु अर्जुन देव जी ने मियां मीर से 1588 ई. में गुरुद्वारे की नींव रखवाई थी।

102. निम्नलिखित में से कौन-सा वेद अंशतः गद्य में लिखा गया है?

(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद
(c) सामवेद (d) अथर्ववेद

उत्तर—(b)

'यज्ञ' संबंधी विधि-विधानों का पता यजुर्वेद से चलता है। यजुर्वेद के दो भाग हैं—शुक्ल यजुर्वेद, जो केवल पद्य में है तथा कृष्ण यजुर्वेद, जो कि पद्य और गद्य दोनों में है। शुक्ल यजुर्वेद को 'वाजसनेयी संहिता' भी कहा जाता है। यजुर्वेद का अंतिम भाग 'ईशोपनिषद' है, जिसका संबंध याज्ञिक अनुष्ठान से न होकर आध्यात्मिक चिंतन से है।

103. कांग्रेस के किस अधिवेशन में जवाहरलाल नेहरू द्वारा 'पूर्ण स्वराज' को अपना लक्ष्य बनाया गया?

(a) लाहौर अधिवेशन (b) नागपुर अधिवेशन
(c) गया अधिवेशन (d) कलकत्ता अधिवेशन

उत्तर—(a)

दिसंबर, 1929 ई. में कांग्रेस का अधिवेशन लाहौर में हुआ। इस अधिवेशन के अध्यक्ष गांधीजी चुने गए थे, लेकिन उन्होंने अपनी जगह जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनाया। जवाहरलाल नेहरू ने कहा कि, ''आज हमारा बस एक ही लक्ष्य है स्वाधीनता का लक्ष्य। हमारे लिए स्वाधीनता के मायने है ब्रिटिश साम्राज्यवाद से पूर्ण स्वतंत्रता।'' अतः स्पष्ट है कि लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज के संकल्प की घोषणा की गई थी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 31 दिसंबर, 1929 को कांग्रेस के अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू ने लाहौर में रावी के तट पर भारतीय स्वतंत्रता का झंडा फहराया।
- इसी अधिवेशन में सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करने की महात्मा गांधी द्वारा घोषणा की गई।
- कांग्रेस की नई कार्य समिति की बैठक 2 जनवरी, 1930 को हुई। उसमें 26 जनवरी, 1930 को पूर्ण स्वाधीनता दिवस संपूर्ण भारत में मनाने का निश्चय किया गया।

104. अशोक के निम्नलिखित उत्तराधिकारियों में किसने देवानांपिय उपाधि का प्रयोग किया था?

(a) दशरथ (b) सम्प्रति
(c) कुनल (d) सुयश

उत्तर—(a)

Adda247 GET IT ON Google Play

अशोक के उत्तराधिकारियों में दशरथ के विषय में पुरातात्वीय प्रमाण भी प्राप्त होते हैं। उसने बिहार प्रांत के गया जिले में स्थित नागार्जुनी पहाड़ी पर आजीवक संप्रदाय के साधुओं के निवास के लिए तीन गुफाएं निर्मित करवाई थीं। इन गुफाओं की दीवारों पर खुदे हुए लेखों से ज्ञात होता है कि वह अशोक की तरह 'देवानांपिय' की उपाधि धारण करता था।

105. पाटलिपुत्र का निम्नलिखित में कौन संस्थापक था?

(a) बिम्बिसार (b) अजातशत्रु
(c) उदयभद्र (d) शिशुनाग

उत्तर–(c)

हर्यकवंशीय शासक उदयभद्र या उदयिन ने पाटलिपुत्र की स्थापना की थी। चूंकि पाटलिपुत्र, मगध साम्राज्य के केंद्र में पड़ता था, इसलिए उदयिन ने इसे मगध की राजधानी बनाया।

106. हूणों का आक्रमण वर्णित है-

(a) भीतरी अभिलेख में (b) जूनागढ़ अभिलेख में
(c) प्रयाग प्रशस्ति में (d) मथुरा अभिलेख में

उत्तर–(a)

भीतरी स्तंभ लेख (गाजीपुर, उ.प्र.) में पुष्यमित्रों और हूणों के साथ स्कंदगुप्त के युद्ध का वर्णन मिलता है। हूण, मध्य एशिया में निवास करने वाली एक बर्बर जाति थी, जिसका प्रथम आक्रमण स्कंदगुप्त के समय में हुआ। जिसमें हूण पराजित हुए। यू.ए. राय के अनुसार इसका नेता खुशनेवाज था, जिसने ईरान के ससानी शासकों को दबाने के बाद भारत पर आक्रमण किया होगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- सोमदेव के कथासरित्सागर में उल्लेख मिलता है कि उज्जयिनी के राजा महेंद्रादित्य के पुत्र विक्रमादित्य ने म्लेच्छों को जीता था।
- जूनागढ़ अभिलेख से उसके सुव्यवस्थित शासन एवं गिरनार के पुरपति चक्रपालित द्वारा सुदर्शन झील के बांध के पुनर्निर्माण का विवरण सुरक्षित है।
- इंदौर ताम्र-पत्र लेख में सूर्य की पूजा तथा सूर्य मंदिर में दीपक जलाए जाने के लिए धन दान दिए जाने का विवरण मिलता है।

107. तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ निम्नलिखित किस स्थान के रहने वाले थे?

(a) अहमदाबाद (b) बड़ोदरा
(c) बनारस (d) पावापुरी

उत्तर–(c)

पार्श्वनाथ जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर माने जाते हैं। इनके पिता अश्वसेन काशी के राजा थे। इनका जन्म काशी (वाराणसी) में ही हुआ था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- पार्श्वनाथ ने अपने अनुयायियों को चातुर्याम शिक्षा का पालन करने को कहा था।
- ये चार शिक्षाएं थीं–सत्य, अहिंसा, अस्तेय एवं अपरिग्रह।
- पार्श्वनाथ को सम्मेद पर्वत पर ज्ञान प्राप्त हुआ था।

108. भारत छोड़ो प्रस्ताव किस दिन पारित हुआ था?

(a) 7 अगस्त, 1942 (b) 8 अगस्त, 1942
(c) 9 अगस्त, 1942 (d) 10 अगस्त, 1942

उत्तर–(b)

7 अगस्त, 1942 को बंबई के ऐतिहासिक ग्वालिया टैंक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की वार्षिक बैठक हुई, जिसमें वर्धा प्रस्ताव (भारत छोड़ो) की पुष्टि हुई। थोड़े बहुत संशोधन के बाद 8 अगस्त, 1942 को प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया और भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के तहत अंग्रेजों के विरुद्ध भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ करने की घोषणा की गई। 9 अगस्त, 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ हुआ।

109. जैन परंपरा के अनुसार बाइसवें तीर्थंकर नेमिनाथ संबंधित थे-

(a) परशुराम से (b) कृष्ण से
(c) बिंबिसार से (d) उदयन से

उत्तर–(b)

नेमिनाथ जैन धर्म के प्रसिद्ध बाइसवें तीर्थंकर थे। 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ को जैन धर्म में श्रीकृष्ण के समकालीन और उनका चचेरा भाई माना जाता है।

110. मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा अपनी सांकेतिक मुद्रा में किस धातु का प्रयोग कराया गया था?

(a) सोना (b) चांदी (c) तांबा (d) जस्ता

उत्तर–(c)

मुहम्मद बिन तुगलक ने चांदी के सिक्के के स्थान पर तांबे (कांसे) का सिक्का प्रतीक मुद्रा के रूप में प्रचलित किया। प्रतीक मुद्रा पर अरबी तथा फारसी दोनों भाषाओं में लेख थे।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- चीन में कुबलाई खां के समय में सांकेतिक मुद्रा का प्रयोग सफलतापूर्वक किया गया था।
- ईरान में भी सांकेतिक मुद्रा चलाई गई थी यद्यपि वहां यह प्रयोग असफल हुआ था।
- मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा जारी स्वर्ण सिक्कों को इब्नबतूता द्वारा 'दीनार' की संज्ञा दी गई थी।

111. निम्नलिखित किस ग्रन्थ में कहा गया है कि जब कोई व्यक्ति संघ में प्रवेश पाता है, वह वर्ण विहीन हो जाता है?

(a) सिंगालवाद सुत्त (b) संयुक्त निकाय
(c) सोनदंड सुत्त (d) अंगुत्तर निकाय

उत्तर–(d)

अंगुत्तर निकाय एक महत्वपूर्ण बौद्ध ग्रंथ है। यह सुत्तपिटक के पांच निकायों में से चौथा निकाय है। अंगुत्तर निकाय में गौतम बुद्ध और उनके शिष्यों के उपदेश हैं। अंगुत्तर निकाय में कहा गया है कि जब कोई व्यक्ति संघ में प्रवेश पाता है तब वह वर्ण विहीन हो जाता है।

112. निम्नलिखित करों में से कौन-सा कर दिल्ली के सुल्तानों ने लगाया था?

(a) खम्स (b) खराज
(c) जकात (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(d)

दिल्ली सुल्तानों के समय उश्र, खराज, जकात, खम्स और जजिया कर लगाए गए। उश्र मुसलमानों से लिया जाने वाला भूमिकर, खराज गैर-मुसलमानों से वसूला जाने वाला भूमिकर, खम्स लूट कर, जकात मुसलमानों पर लगाया जाने वाला धार्मिक कर तथा जजिया गैर-मुसलमानों से लिया जाने वाला धार्मिक कर था।

113. ताम्रपाषाण काल में वृत्ताकार गर्तगृहों की प्राप्ति निम्नलिखित किस स्थल से हुई है?

(a) नवदाटोली (b) अहाड़
(c) हड़प्पा (d) इनामगांव

उत्तर—(d)

प्राचीन ताम्र पाषाण चरण में पश्चिमी महाराष्ट्र के इनामगांव में चूल्हे और वृत्ताकार गर्तगृहों की खोज की गई है।

114. गौतम बुद्ध द्वारा अपने धर्म में दीक्षित किया जाने वाला अंतिम व्यक्ति निम्नलिखित में कौन था?

(a) आनंद (b) सारिपुत्त
(c) मोग्गालायन (d) सुभद्द

उत्तर—(d)

अपने जीवन के अंतिम वर्ष में गौतम बुद्ध अपने शिष्य चुंद के यहां पावा पहुंचे। यहां सूकर माछव भोज्य सामग्री खाने से ये अतिसार रोग से पीड़ित हो गए। फिर ये पावा से कुशीनगर चले गए और यहीं सुभद्द को उन्होंने अपना अंतिम उपदेश दिया।

115. प्रसिद्ध क्रांतिकारी आशुतोष कुइला किस क्रांतिकारी संगठन के सदस्य थे?

(a) हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोशिएसन
(b) गदर पार्टी
(c) अनुशीलन समिति
(d) विद्युतवाहिनी

उत्तर—(d)

प्रसिद्ध क्रांतिकारी आशुतोष कुइला क्रांतिकारी संगठन विद्युत वाहिनी के सदस्य थे। वर्ष 1942 में पुलिस मुठभेड़ में इनकी मृत्यु हो गई।

116. श्रेष्ठिन शब्द का प्रयोग किया गया है-

(a) व्यापार में पूंजी लगाने वाला
(b) श्रेणी के अध्यक्ष
(c) मुद्रा विनिमय करने वाला
(d) शिल्पकार

उत्तर—(b)

श्रेणियों के संगठन के सर्वोच्च को श्रेष्ठिन (सेट्ठी), जेष्ठक अथवा प्रमुख कहा जाता था।

117. किस गवर्नर जनरल द्वारा सती प्रथा का उन्मूलन किया गया था?

(a) लॉर्ड रिपन (b) लॉर्ड लिटन
(c) लॉर्ड कर्जन (d) लॉर्ड बेंटिक

उत्तर—(d)

सती शब्द का अर्थ है एक ''पवित्र और सच्चरित्र नारी।'' हिंदू परंपरा में विवाह एक संस्कार माना जाता है अर्थात आत्माओं का संबंध। स्त्री और पुरुष का बंधन शाश्वत और जन्म-जन्मांतर में रहने वाला है अर्थात यह माना जाने लगा कि स्त्री को अपने पति के साथ ही मर जाना चाहिए और उसके शरीर के साथ ही अपने शरीर को भस्म कर देना चाहिए। 18वीं शताब्दी तक ब्राह्मणों ने यह कहना आरंभ कर दिया था कि स्त्री के सती होने से उसके पति के कुल की सात पीढ़ियों तक लोग स्वर्ग को प्राप्त कर लेते हैं। ऊंचे कुल के ब्राह्मणों, क्षत्रियों और राजपूतों में यह परंपरा बहुत प्रचलित थी। कुछ प्रबुद्ध भारतीय राजाओं ने इस क्रूर परंपरा को बंद करने का प्रयत्न किया था। अकबर ने भी इसे बंद करने का प्रयत्न किया था। मराठों ने अपने प्रदेशों में इसे बंद कर दिया था। गोवा में पुर्तगालियों ने और फ्रांसीसियों ने चंद्रनगर में इसको बंद करने के लिए कुछ उपाय किए थे। कॉर्नवालिस, मिंटो और लॉर्ड हेस्टिंग्स जैसे आरंभिक गवर्नर जनरलों ने बलपूर्वक, मादक वस्तुओं के प्रयोग से, अल्पवयस्क विधवाओं तथा गर्भवती स्त्रियों के सती होने पर रोक लगाई थी, परंतु वह सफल नहीं हुए। राजा राममोहन राय जैसे प्रबुद्ध भारतीय सुधारकों ने विलियम बेंटिक को इस प्रथा को अवैध घोषित करने की प्रेरणा दी। बहुत से समकालीन प्रगतिशील समाचार-पत्रों ने इनका समर्थन किया और विलियम बेंटिक ने कानून बना कर सती प्रथा को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया। दिसंबर, 1829 के नियम 17 (XVII) द्वारा विधवाओं को जलाना अवैध घोषित कर दिया गया। आरंभ में यह कानून केवल बंगाल प्रेसीडेंसी में लागू किया गया और 1830 ई. में यह नियम बंबई और मद्रास प्रेसीडेंसी में भी लागू कर दिया गया।

118. निम्नलिखित राजाओं में से किसने अपने राज्य में मदिरा का उत्पादन एवं बिक्री निषिद्ध कर दिया था?

(a) हर्षवर्द्धन (b) धर्मपाल
(c) कुमारपाल (d) भोज

उत्तर—(c)

कुमारपाल (1143-1172 ई.) अन्हिलपाटन, गुजरात के चालुक्य वंश का शासक था। जैन धर्म से प्रभावित हो कुमारपाल ने अपने राज्य में मदिरा का उत्पादन एवं बिक्री निषिद्ध कर दिया था।

Adda247 GET IT ON Google Play

119. 'तिनकठिया' ब्रिटिश भारत में क्या थी?

(a) जहां किसान 3/20 हिस्सा जमीन पर नील की खेती करने को बाध्य था

(b) तीन प्रकार की मिट्टी

(c) तीन प्रकार की फसलें

(d) तीन प्रकार की ऋतुएं

उत्तर–(a)

'तिनकठिया' कानून बिहार के चंपारन तथा नील की खेती से संबंधित है। चंपारन के किसानों से अंग्रेजों ने एक अनुबंध करा लिया, जिसके तहत उन्हें अपने खेतों के 3/20 वें भाग में नील की खेती करना अनिवार्य था, इसे तिनकठिया पद्धति कहते थे। वर्ष 1917 में गांधीजी के सत्याग्रह के पश्चात इसको समाप्त कर दिया गया।

120. 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' की निम्नलिखित में किसने अनुशंसा की थी?

(a) जवाहरलाल नेहरू ने

(b) सरदार वल्लभभाई पटेल ने

(c) अबुल कलाम आजाद ने

(d) जे.बी. कृपलानी ने

उत्तर–(b)

'भारत छोड़ो' प्रस्ताव का आलेख स्वयं महात्मा गांधी ने नेहरू और आजाद के सहयोग से बनाया था। 8 अगस्त, 1942 को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में जवाहरलाल नेहरू द्वारा 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' पेश किया गया था, जिसका सरदार वल्लभभाई पटेल ने समर्थन किया था।

121. निम्नलिखित में कौन प्रथम भिक्षुणी थी?

(a) माया (b) महाप्रजापति गौतमी

(c) यशोधरा (d) रोहिणी

उत्तर–(b)

बौद्ध धर्म को स्वीकार करने वाली प्रथम महिला महाप्रजापति गौतमी थीं। ज्ञान प्राप्ति के 8वें वर्ष गौतम बुद्ध ने वैशाली में अपने प्रिय शिष्य आनंद के कहने पर महिलाओं को संघ में प्रवेश की अनुमति दी। उनकी मौसी तथा विमाता संघ में प्रवेश करने वाली प्रथम महिला थीं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- गौतम बुद्ध को गया में ज्ञान प्राप्ति हुई थी।
- गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में दिया था।
- गौतम बुद्ध ने सर्वाधिक वर्षा काल कोशल राज्य में व्यतीत किए थे।

122. 1620 ई. में जहांगीर ने किसके नेतृत्व में कांगड़ा के विरुद्ध अभियान भेजा?

(a) राजा विक्रमाजीत (b) महावत खां

(c) नवाब मुर्तजा खां (d) सैय्यद सदर जहां

उत्तर–(a)

उत्तर-पूर्व पंजाब में कांगड़ा की सुंदर घाटी है। कांगड़ा का किला एक पहाड़ी पर बना दृढ़ किला था। अकबर के समय में पंजाब के सूबेदार हसन कुली खां ने इसे जीतने का प्रयास किया था, परंतु वह असफल हुआ था। 1620 ई. में शहजादा खुर्रम के नेतृत्व में राजा विक्रमाजीत ने इस किले का घेरा डाला और लगभग चार माह के घेरे के पश्चात इस पर अधिकार कर लिया।

123. निम्नलिखित में से किसने 'गाथा सप्तशती' ग्रन्थ की रचना की है?

(a) चंद्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य (b) सातवाहन शासक हाल

(c) पुष्यभूति राजा हर्षवर्द्धन (d) पाल शासक धर्मपाल

उत्तर–(b)

सातवाहन शासक हाल ने प्राकृत भाषा में गाथा सप्तशती नामक ग्रंथ की रचना की। यह प्राकृत भाषा में मुक्तक काव्य ग्रंथ है।

124. निम्नलिखित में से प्रथम गुप्त शासक कौन था जिसने 'परमभागवत' की उपाधि धारण की थी?

(a) समुद्रगुप्त (b) कुमारगुप्त प्रथम

(c) चंद्रगुप्त द्वितीय (d) रामगुप्त

उत्तर–(c)

चंद्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' वह प्रथम गुप्त शासक था, जिसने 'परमभागवत' की उपाधि धारण की थी। मेहरौली लेख के अनुसार उसने विष्णुपद पर्वत पर विष्णुध्वज की स्थापना कराई थी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड ने अपने प्रारंभिक उत्तर-कुंजी में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) माना था, लेकिन संशोधित उत्तर-कुंजी में इसका उत्तर विकल्प (b) माना है।

नोट–गया और नालंदा से प्राप्त दो ताम्रलेख पर क्रमशः गुप्त संवत् 9 तथा 5 की तिथियां अंकित हैं। इनमें समुद्रगुप्त का नाम तथा उसकी कुछ उपलब्धियां उल्लिखित हैं। इनमें समुद्रगुप्त को 'परमभागवत' कहा गया है। किंतु इन लेखों में भाषा तथा व्याकरण संबंधी अनेक अशुद्धियां हैं और तिथि भी भ्रामक है। अतः फ्लीट, डी.सी. सरकार आदि विद्वानों ने इन दोनों ही ताम्रपत्रों को जाली (Forged) घोषित किया है।

125. गुप्तकाल में 'युद्ध एवं शांति' मंत्री जाना जाता था-

(a) सेनापति (b) महादण्डनायक

(c) सन्धिविग्रहिक (d) कुमारामात्य

उत्तर–(c)

संधि विग्रहिक (महासंधि विग्रहिक) गुप्तकाल में एक महत्वपूर्ण पदाधिकारी था, जो युद्ध एवं शांति का मंत्री होता था।